पीएम नरेन्द्र मोदी और पीएम अनवर इब्राहिम ने भारत व मलेशिया के रिश्तों के नये युग की नींव रख दी है। दोनों नेताओं में हुई द्विपक्षीय वार्ता ने मलेशिया के पूर्व पीएम महाथिर मोहम्मद के कार्यकाल में भारत-मलेशिया के रिश्तों में जो तनाव घोला था वह पूरी तरह से खत्म हो गई।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 108 दिनांक:21-08-2024 बुधवार मूल्य : 1 रुपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

एक प्रतिष्ठित स्कूल में पढ़ने वाली दो चार वर्षीय लड़कियों के यौन शोषण के खिलाफ बदलापुर रेलवे स्टेशन पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को महाराष्ट्र की महायुति सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटियों की सुरक्षा चाहिए।

अजमेर कांड में बड़ा फैसला, 6 आरोपी दोषी करार, 31 साल पहले 100 छात्राओं का हुआ था गैंगरेप

1992 में अजमेर में 100 से अधिक छात्राओं का गैंगरेप कांड।

आरोपी नग्न तस्वीरें से ब्लैकमेल कर बार-बार रेप करते थे।

6 आरोपियों को आजीवन कारावास और 5 लाख जुर्माना।

अजमेर (ईएमएस)। 31 साल पहले अजमेर में 100 छात्राओं के साथ गैंगरेप और ब्लैकमेल कांड हुआ था। मंगलवार को स्पेशल पॉक्सो कोर्ट ने 6 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा दी है। उन पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

नफीस चिश्ती, नसीम, सलीम चिश्ती, सोहित गनी, सैयद जमीर हुसैन और इकबाल भाटी को सजा मिली है। यह कांड साल 1992 में हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा स्कूल और कॉलेज की छात्राएं पीड़िता थीं। 18 आरोपियों में से 9 को सजा पहले ही दी जा चुकी थी। एक आरोपी दूसरे मामले में जेल में सजा काट रहा है। एक ने आत्महत्या कर ली थी। एक घटना के खुलासे के बाद से फरार है। आज (मंगलवार) 6 को सजा सुना दी है।

100 से ज्यादा लड़कियों को किया ब्लैकमेल

1992 में हुए इस कांड से पूरे देश में हंगामा मच गया था। कॉलेज जाने वाली लड़कियों को ब्लैकमेल कर उनका रेप किया जाता था और उनकी नग्न तस्वीरें खींची जाती थीं। इन्हीं तस्वीरों के जरिए उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। इस पूरे सेक्स स्कैंडल का मास्टर माइंड तत्कालीन अजमेर यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती सहित अन्य आरोपियों ने एक कारोबारी के बेटे को अपनी दोस्ती के जाल फंसाया था। दोस्त बनाकर उसके साथ कुकर्म किया और उसकी तस्वीरें खींचीं। उन तस्वीरों के जरिए उसे ब्लैकमेल करके उसकी गर्लफ्रेंड को पोल्ट्री फॉर्म लेकर पहुंचे। उसके साथ रेप किया। रील कैमरे से उसकी न्यूड तस्वीरें खींचीं। उस पीड़िता के बाद उसकी सहेलियों को उनके पास लाने के लिए दबाव बनाया। ऐसे उन्होंने एक-एक कर न जाने कितनी लड़कियों से रेप किया और नग्न तस्वीरें उतारीं। इसके बाद सब को ब्लैकमेल कर अलग-अलग जगहों पर बुलाने लगे थे।

यूपीएससी में लेटरल एंट्री से नियुक्ति का आदेश रद्द

-कार्मिक मंत्री ने चेयरमैन को चिट्ठी लिखी

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री भर्ती के लिए 45 पोस्ट पर वैकेंसी निकाली थी। इसे अब रद्द कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन को नोटिफिकेशन रद्द करने को कहा। पीएम नरेंद्र मोदी के कहने पर यह फैसला बदला गया है। इस वैकेंसी का राहुल गांधी ने भी विरोध किया था। राहुल ने कहा था- लेटरल एंट्री के जरिए खुलेआम एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग का हक छीना जा रहा है। मोदी सरकार आरएसएस वालों की लोकसेवकों में भर्ती कर रही है।

राहुल गांधी को जवाब देते हुए कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को लेटरल एंट्री के जरिए ही 1976 में फाइनेंस सेक्रेटरी, मोंटेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष और सोनिया गांधी को नेशनल एडवाइजरी काउंसिल चीफ बनाया गया। कांग्रेस ने लेटरल एंट्री की शुरुआत की थी। अब पीएम मोदी ने यूपीएससी को नियम बनाने का अधिकार देकर लेटरल एंट्री सिस्टम को व्यवस्थित बनाया है। पहले की सरकारों में लेटरल एंट्री फॉर्मल सिस्टम नहीं था।

कांग्रेस ने आरक्षण छीनने के मंसूबों पर पानी फेरा

केंद्र सरकार के लेटरल एंट्री नोटिफिकेशन को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया X पर लिखा- हमारे दलित, आदिवासी, पिछड़े और कमज़ोर वर्गों के सामाजिक न्याय के लिए कांग्रेस पार्टी की लड़ाई ने भाजपा के आरक्षण छीनने के मंसूबों पर पानी फेरा है। लेटरल एंट्री पर मोदी सरकार की चिठ्ठी ये दर्शाती है कि तानाशाही सत्ता के अहंकार को संविधान की ताक़त ही हरा सकती है।

स्कूल में छात्राओं के यौन शोषण के बाद बदलापुर में उग्र प्रदर्शन

आंदोलन से 10 घंटे बाधित रहा कल्याण-पुणे मार्ग ,- 11 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया, 40 लोकल ट्रेनें हुई रद्द ,- पुलिस ने किया लाठी चार्ज, आंदोलनकारियों ने किया पथराव

बदलापुर, (ईएमएस)। मुंबई से सटे बदलापुर स्थित आदर्श विद्यालय में पढ़ने वाली दो मासूम बच्चियों से छेड़छाड़ को लेकर मंगलवार को प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए. गुस्साए लोगों ने मंगलवार सुबह स्कूल के बाहर प्रदर्शन करने के साथ ही 10 बजे रेलवे स्टेशन का घेराव किया. मंगलवार सुबह से ही बदलापुर के हजारों निवासी सड़कों पर उतर आए. बदलापुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया और सुबह से शाम तक इस रूट पर एक भी ट्रेन नहीं चली. मामला इतना उग्र रहा कि मंत्री गिरीश महाजन प्रदर्शनकारियों से सलाह-मशविरा करने बदलापुर रेलवे स्टेशन पहुंचे. हालाँकि, प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन रोकने के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इस दौरान गिरीश महाजन ने प्रदर्शनकारियों को सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी. प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए मंत्री गिरीश महाजन करीब एक घंटे तक बदलापुर स्टेशन पर रहे. उन्होंने लगातार माइक्रोफोन के जरिए मौजूद प्रदर्शनकारियों से संवाद करने की कोशिश की. लेकिन आंदोलन रोकने के उनके अनुरोध को प्रदर्शनकारियों ने अस्वीकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि आरोपियों को यहां लाकर फांसी दी जाए. आख़िरकार गिरीश महाजन प्रदर्शनकारियों से एक घंटे तक बातचीत करने के बाद स्टेशन परिसर से बाहर चले गए. बाहर आने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की. आंदोलन में मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना की तख्तियां होने की बात कहते हुए गिरीश महाजन ने आरोप लगाया कि कुछ लोग राजनीति से प्रेरित हैं. ''अब मैं उस पर क्या कह सकता हूं. यहां कुछ लोग मेरी लाडली बहन का बोर्ड लेकर खड़े हैं. ये कुछ लोग राजनीति से प्रेरित हैं। आपको बता दें कि स्कूल में बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न मामले में एक सफाई कर्मचारी का नाम सामने आया था. पुलिस ने आरोपी अक्षय शिंदे को गिरफ्तार कर लिया है. स्कूल के प्रिंसिपल, क्लास टीचर और 2 सहायकों को निलंबित कर दिया गया है.

- पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई जमकर झड़प

जब शाम तक आंदोलनकारी अपना आंदोलन वापस नहीं ले रहे थे तब पुलिस ने सीधी कार्रवाई का मन बना लिया। रेलवे ट्रैक पर मौजूद भीड़ को पीछे धकेलने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया. पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया. पुलिस के लाठीचार्ज के बाद प्रदर्शनकारियों ने पथराव कर दिया. बदलापुर रेलवे स्टेशन पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर झड़प हुई जिसमें दर्जनों लोग घायल भी हुए. इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी शुरू कर दी है.

- 11 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया, 40 लोकल ट्रेनें हुई रद्द

रेल रोको आंदोलन के चलते लोकल ट्रेनों की तरह लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनें भी पूरी तरह से बाधित हो गई. सेंट्रल रेलवे ने जानकारी दी है कि 40 लोकल ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं. बदलापुर आंदोलन के कारण 12 मेल एक्सप्रेस सेवाओं को डायवर्ट किया गया है। अब तक करीब 12 मेल एक्सप्रेस ट्रेनों को डायवर्ट किया जा चुका है। कोयना एक्सप्रेस का रूट डायवर्ट कर दिया गया है और उसे बदलापुर से कल्याण लाया जा रहा है। बदलापुर के बाद, दिवा और पनवेल के रास्ते कर्जत के रास्ते ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई। उधर अंबरनाथ से कर्जत-खोपोली के बीच करीब 40 लोकल ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया गया। जैसे-जैसे यात्री घर जा रहे हैं, यह संख्या तेजी से बढ़ने की संभावना है। सीएसएमटी से अंबरनाथ और कसारा तक सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। कल्याण और कर्जत के बीच यात्रियों के लिए अतिरिक्त बस चलाने का अनुरोध किया गया था। राज्य परिवहन से 100 बसों की व्यवस्था के लिए सहायता का अनुरोध किया गया जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए अब तक लगभग 55 बसें सेवा में लगाई जा चुकी हैं।

- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा- सीएम शिंदे

बदलापुर स्कूल में बच्ची के साथ हुई इस शर्मशार करने वाली घटना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने कहा कि इस मामले में एक एसआईटी का गठन किया जा चुका है. हम उस स्कूल के खिलाफ भी कार्रवाई करने जा रहे हैं, जहां यह घटना हुई थी. उन्होंने कहा कि वो इस घटना को गंभीरती से लेते हुए मामले को तेजी से आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं.

किरण चौधरी ने दिया इस्तीफा.......राज्यसभा जाने की तैयारी

रोहतक (ईएमएस)। हरियाणा की विधायक किरण चौधरी ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। अब किरण के भाजपा द्वारा राज्यसभा उपचुनाव में मैदान में उतारने की संभावना है। कांग्रेस छोड़ने के बाद करीब दो माह पहले वह भाजपा में शामिल हुई थीं। चौधरी ने कहा कि मैंने विधानसभा सदस्य (विधायक) के तौर पर अपना इस्तीफा दे दिया है। हरियाणा की पूर्व मंत्री और तोशाम से विधायक चौधरी जून में अपनी बेटी श्रुति और उनके समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुई थीं।

नौ राज्यों में खाली पड़ी 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को चुनाव होगा। हरियाणा की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा के रोहतक से लोकसभा में पहुंचने के बाद जरूरी हो गया था। इस सीट के लिए नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन बुधवार है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा हरियाणा की राज्यसभा सीट से चौधरी को मैदान में उतार सकती है। विधानसभा में भाजपा के संख्याबल को देखकर सीट जीतना तय है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी जबकि उम्मीदवार 27 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

चौधरी के इस्तीफे के बाद 90 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 41 सदस्य, कांग्रेस के 28 और जेजेपी के 10 सदस्य हैं। विधानसभा में पांच निर्दलीय, इनेलो और हरियाणा लोकहित पार्टी (एचएलपी) के एक-एक सदस्य हैं और चार सीटें खाली हैं। भाजपा को निर्दलीय विधायक नयन पाल रावत और एचएलपी विधायक गोपाल कांडा का भी समर्थन प्राप्त है।

‘मंकी पॉक्स’ को लेकर राज्य सरकारें और अस्पताल अलर्ट मोड पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। एम्स दिल्ली ने संदिग्ध मंकीपॉक्स के मरीजों के इलाज के लिए प्रोटोकॉल जारी किया है। वैसे तो दिल्ली में मंकीपॉक्स के इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल को सेंटर बनाया गया है। लेकिन एम्स में आने वाले संदिग्ध मरीजों का इलाज कैसे किया जाएगा इस प्रोटोकॉल में यही बताया गया है।

मंकीपॉक्स के मामलों को अलग करने के लिए एम्स के एबी -7 वार्ड में पांच बिस्तर निर्धारित किए गए हैं। ये बिस्तर आपातकालीन विंग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर रोगियों को आवंटित किए जाएंगे, जिनका इलाज फिर मेडिसिन विभाग द्वारा किया जाएगा। एबी-7 वार्ड तब तक रोगियों के लिए एक अस्थायी होल्डिंग क्षेत्र बना रहेगा, जब तक कि उन्हें निश्चित देखभाल के लिए निर्धारित अस्पताल- सफदरजंग अस्पताल में स्थानांतरित नहीं कर दिया जाता।

एम्स की तरफ से जारी प्रोटोकॉल नोट के मुताबिक मंकी पॉक्स एक वायरल जूनोसिस है जिसके लक्षण चेचक के रोगियों में पहले देखे गए लक्षणों के समान हैं, हालांकि चिकित्सकीय रूप से यह कम गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकी पॉक्स के प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का विषय बताते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है, जिसके चलते इससे बचाव के लिए जागरूकता बढ़ाने, तेजी से पहचान करने और आगे के प्रसार को रोकने के लिए कड़े संक्रमण नियंत्रण उपायों की आवश्यकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से ‘मंकी पॉक्स’ (एमपॉक्स) बीमारी को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किए जाने के बाद भारत में भी इसे लेकर राज्य सरकारें और अस्पताल अलर्ट मोड पर आ गए हैं। हालांकि फिलहाल भारत में इस बीमारी का कोई भी मामला सामने नहीं आया है, लेकिन पाकिस्तान में इसका एक मरीज मिलने के बाद यहां भी कड़ी सावधानी बरती जा रही है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस- सीजेआई ने नेशनल टास्क फोर्स बनाई

मेडिकल प्रोफेशनल की सुरक्षा के उपाय बताएगी कमेटी

कोलकाता(ईएमएस)। कोलकाता रेप-मर्डर मामले में सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सुनवाई की। सीजेआई ने कहा- डॉक्टर्स की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए टास्क फोर्स बना रहे हैं, इसमें 9 डॉक्टर्स को शामिल किया गया है, जो मेडिकल प्रोफेशनल्स की सुरक्षा, वर्किंग कंडीशन और उनकी बेहतरी के उपायों की सिफारिश करेगी।

टास्क फोर्स में केंद्र सरकार के पांच अधिकारी भी शामिल किए गए हैं। कोर्ट ने सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट और राज्य सरकार से घटना की रिपोर्ट मांगी है। नेशनल टास्क फोर्स में जो 9 चिकित्सक हैं, उनमें आरके सरियन, सर्जन वाइस एडमिरल, डॉ. एम श्रीनिवास, डायरेक्टर एम्स दिल्ली, डॉ. प्रतिमा मूर्ति, बेंगलूरू, डॉ. गोवर्धन दत्त पुरी, डायरेक्टर एम्स जोधपुर, डॉ. सौमित्र रावत, गंगाराम अस्पताल के मैनेजिंग मेंबर, प्रो. पल्लवी सापरे, डीन ग्रांड मेडिकल कॉलेज मुंबई, प्रो. अनिता सक्सेना, कार्डियोलॉजी हेड एम्स दिल्ली, डॉ. पद्मा श्रीवास्तव, न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट एम्स दिल्ली और डॉ. नागेश्वर रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर एशियन इंस्टीटयूट ऑफ नेशनल गेस्ट्रॉलॉजी। इनके अलावा 5 अन्य सदस्य हैं भारत सरकार के कैबिनेट सचिव, भारत सरकार के गृह सचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव, नेशनल मेडिकल कमीशन के अध्यक्ष और नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनर्स के अध्यक्ष।

आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को दिया गया। केस की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। उधर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने हड़ताल खत्म कर दी। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली 21 अगस्त को पत्नी डोना के साथ प्रदर्शन करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला डॉक्टर की पहचान हर जगह से हटाने का आदेश दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि कोलकाता में मेडिकल कॉलेज में रेप और हत्या की शिकार महिला डॉक्टर का नाम, फोटो और उसके वीडियो को सभी सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्लेटफार्म से हटाया जाए। इस मामले में पश्चिम बंगाल के दो वकीलों की ओर से अदालत में याचिका दायर की गई थी।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि बलात्कार पीड़िता की पहचान उजागर करना उसकी गरिमा का उल्लंघन है और यह सुप्रीम कोर्ट के 2019 के फैसले का भी उल्लंघन है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 73 इस तरह की पहचान के खुलासे पर रोक लगाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि जिस तरह से मीडिया संस्थानों में रेप पीड़ित के नाम की पहचान का खुलासा हो रहा है, वो सुप्रीम कोर्ट के फैसले में दी गई व्यवस्था के खिलाफ है। किसी भी तरह से रेप पीड़ित की पहचान का खुलासा नहीं हो सकता है।

आप सांसद संजय सिंह, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनूप संडा की गिरफ्तारी का आदेश

सुल्तानपुर (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर में 23 वर्ष पूर्व मामले में आप सांसद संजय सिंह, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनूप संडा आदि के हाजिर नहीं होने पर कोर्ट ने गिरफ्तार कर पेश करने का आदेश दिया है। इस मामले में जमानतीय वारंट को कोर्ट ने जारी रखा है। कोर्ट 28 अगस्त को कोर्ट अब मामले की सुनवाई करेगा।

करीब 23 वर्ष पूर्व बिजली-पानी समेत अन्य समस्याओं के विरोध में सड़क पर जाम लगाने, धरना प्रदर्शन करने सहित अन्य आरोपों में कोतवाली नगर में तैनात उपनिरीक्षक अशोक सिंह ने 19 जून 2001 को मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस ने सांसद संजय सिंह, पूर्व विधायक अनूप संडा, पूर्व सभासद कमल श्रीवास्तव, वर्तमान नामित सभासद विजय, पूर्व प्रवक्ता कांग्रेस संतोष कुमार, पूर्व नगर अध्यक्ष भाजपा सुभाष चौधरी व प्रेम प्रकाश के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। दौरान विचारण प्रेम प्रकाश की मौत हो चुकी है। तत्कालीन विशेष मजिस्ट्रेट एमपी-एमएलए योगेश यादव की कोर्ट ने छ आरोपियों को बीते जनवरी 2023 में भादवि की धारा-143 व 341 में दोषी ठहराते हुए तीन-तीन माह के कारावास व 1500-1500 अर्थदण्ड की सजा सुनाई थी।

सभी ने सजा के खिलाफ अपील की, स्पेशल एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट जज एकता वर्मा की अदालत से सभी दोषियों की अपील 6 अगस्त को खारिज हो गई। सम्बंधित कोर्ट में बीते 9 अगस्त को सभी को समर्पण था, फिलहाल अभी तक किसी ने भी सरेंडर नहीं किया है।

भाजपा ने राज्यसभा के अपने 9 उम्मीदवारों की लिस्ट की जारी

मप्र के नेताओं की लड़ाई में कुरियन की लगी लॉटरी

नई दिल्ली/भोपाल (ईएमएस)। भाजपा ने मंगलवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए 9 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। मप्र में खाली हुई राज्यसभा की एक सीट पर चुनाव के लिए भाजपा ने केरल के नेता जॉर्ज कुरियन को प्रत्याशी बनाया है। कुरियन मोदी कैबिनेट में मत्स्य पालन, पशुपालन-डेयरी विभाग के राज्य मंत्री हैं। दरअसल, इस एक सीट के लिए मप्र के कई नेता दावे कर रहे थे। सूत्रों का कहना है कि मप्र के भाजपा नेताओं की लड़ाई में कुरियन की लगी लॉटरी लगी है।

मप्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा की सीट पर अप्रैल 2026 तक का कार्यकाल बचा हुआ है। इस सीट पर राज्यसभा के लिए कई नेताओं के नाम की चर्चा थी, उनमें गुना के पूर्व सांसद डॉ. केपी सिंह यादव भी थे। वहीं, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, डॉ. नरोत्तम मिश्रा, कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, कांतदेव सिंह और प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल के नामों की चर्चा थी। पवैया और नरोत्तम मिश्रा दो साल के लिए राज्यसभा जाने के लिए राजी नहीं थे। सुरेश पचौरी ने भी इस दौड़ से खुद को अलग कर लिया था। सूत्र बताते हैं कि केपी यादव के लिए संगठन में सहमति नहीं बन पाई। ऐसे में एमपी भाजपा ने फैसला केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ दिया, और केरल के खाते में एमपी की राज्यसभा सीट चली गई। वहीं असम से मिशन रंजन दास, असम से रामेश्वर तेली, बिहार से मनन कुमार मिश्र, हरियाणा से किरण चौधरी, महाराष्ट्र से धैर्यशील पाटिल, ओडिशा से ममता मोहंता, राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू और त्रिपुरा से राजीब भट्टाचार्य,

आज नामांकन का अंतिम दिन

नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीटों के लिए 3 सितंबर को उपचुनाव होना है। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा सांसद के तौर पर निर्वाचित होने के बाद राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई थीं। वहीं बाद में राज्यसभा के दो सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था।

नकली शराब पीने से 17 लोगों की तबीयत बिगड़ी, पांच गंभीर

गंजम,(ईएमएस)। ओडिशा के गंजम जिले में नकली देशी शराब पीने से कम से कम 17 लोगों की तबीयत खराब हो गई जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि गंजम जिले के कर्बलूआ गांव के करीब 20 लोगों ने सोमवार को माउंडपुर गांव में देशी शराब पी थी, जिसके बाद उनमें से 17 लोगों को बेचैनी और उल्टी होने लगी। उसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां जहां पांचों लोगों की हालत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें ब्रह्मपुर शहर के एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में रेफर किया गया। चिकिटी विधायक मनोरंजन दयान सामंत्रा मौके पर पहुंचे और आरोप लगाया कि आबकारी विभाग अवैध शराब की बिक्री को रोकने के लिए नियमित छापेमारी नहीं कर रहा है।

संजय राउत को आशंका......महायुति में सीट बंटबारे पर हो जाएगा खूनखराबा

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने फिर भाजपा और महाराष्ट्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन नाम की जो खिचड़ी पकी है, उस पूरी खिचड़ी को देखकर लगाता हैं कि इसका कोई मेल नहीं है। लेकिन, एनसीपी को तोड़कर फिर भी खिचड़ी पकाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि, महाराष्ट्र में इन लोगों के बीच आपस में ही झगड़ा है। खासकर देवेंद्र फडणवीस, जो उनके साथ दिखते हैं, लेकिन हैं नहीं। भाजपा परिवार एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ नहीं है। इनके एक मंत्री को कल मारने की बात की गई। फिर मंत्री ने कहा कि मैं आपको मारूंगा। अजित पवार को उनके ही जिले में भाजपा ने काले झंडे दिखाए। यह पूरे महाराष्ट्र में हो रहा है। लेकिन, यह लोग एकसाथ चुनाव में जाने की बात करते हैं। यहां एक ऐसी सरकार चल रही है, जिनके आपस में ही मतभेद हैं।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद राउत ने महाराष्ट्र सरकार को असंवैधानिक सरकार बताया। राउत ने कहा कि मुझे लगता है, जब टिकट बंटवारे की बात होगी, तब मीटिंग में खून-खराबा भी हो सकता है। इस तरीके की बातें मैं सुन रहा हूं। उन्होंने नवाब मलिक और फडणवीस का जिक्र करते हुए कहा, मलिक के बारे में फडणवीस ने जो बातें कही वह सब जानते हैं। मलिक को देशद्रोही और भ्रष्ट बताया गया। जब वह जेल से छूटकर आए तब फडणवीस को बहुत गुस्सा आया। उन्होंने अजित को एक पत्र लिखकर कहा कि हम राष्ट्र भक्त हैं, लेकिन आप इसतरह के देशद्रोही व्यक्ति को अपने साथ बैठा रहे हो। उन्होंने फडणवीस पर हमला बोलकर कहा कि उन्हें अब सन्यास लेना होगा। पिछले 10 सालों में उन्होंने सिर्फ झूठ ही बोला है और झूठा काम किया है। उन्बोंने महाराष्ट्र की राजनीति को पूरी तरीके से बिगाड़ा और बदनाम किया है।

मेघालय में कांग्रेस के चार विधायकों में से तीन विधायक सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल

शिलांग (ईएमएस)। मेघालय में कांग्रेस के कुल चार विधायकों में से तीन विधायक सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल पीपुल्स पार्टी में शामिल हो गए, जिससे 60 सदस्यीय विधानसभा में नेशनल पीपुल्स पार्टी के विधायकों की संख्या 31 हो गई। एनपीपी ने अब मेघालय में अपने दम पर बहुमत हासिल कर लिया है, जहां यूडीपी और भाजपा जैसी अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन की सरकार है।

विपक्षी कांग्रेस के खाते में अब सिर्फ एक विधायक बचे हैं जो विपक्ष के नेता आर.वी. लिंगदोह हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन में अब विधायकों की संख्या 47 है। सूत्रों ने बताया कि पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. सेलेस्टाइन लिंगदोह, गेब्रियल वाह्लांग और चार्ल्स मार्नगर ने विधानसभा अध्यक्ष थॉमस ए संगमा से मुलाकात की और उन्हें एनपीपी में शामिल होने के अपने फैसले से अवगत कराया।

एक आदेश में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, ये तीनों सदस्य मेघालय विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के दो तिहाई सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विधानसभा में एनपीपी के सदस्य के रूप में सीटें आवंटित की जाएंगी।

20 लाख रुपए तक के गिफ्ट पर अब नहीं लगेगा टैक्स!

मुंबई (ईएमएस)। इनकम टैक्स से जुड़े एक मामले में आईटीएटी (इनकम टैक्स अपीलीयेट ट्रिब्यूनल) की मुंबई बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि विदेश में रह रहे एनआरआई भाई से मिलने वाली 20 लाख रुपये की रा?शि पर ?किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं लगेगा। यह निर्णय इस बात पर जोर देता है कि भारतीय टैक्स कानून कुछ करदाताओं को अपने रिश्तेदारों से मिलने वाले गिफ्ट पर टैक्स को लेकर छूट देते हैं। हालांकि, अभी तक इनकम टैक्स कानून के तहत किसी रिश्तेदार से मिलने वाले 50,000 रुपये से ज्यादा के गिफ्ट को इनकम फ्रॉम अदर सोर्स माना जाता है और इस पर लागू आयकर की निर्धारित दरों के अनुसार टैक्स कटता है लेकिन कई मामलों में इस पर टैक्स से छूट मिलती है। इनमें नजदीकी रिश्तेदार से मिलने वाले गिफ्ट, शादी में मिलने वाले तोहफे और विरासत में मिलने वाली संपत्ति शामिल है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 56 (2) (एक्स) में भाई से मिलने वाले गिफ्ट पर टैक्स में छूट मिलती है। आयकर अपीलीयेट ट्रिब्यूनल ने यह निर्णय सलाम नाम के एक व्यक्ति के मामले में दिया, जिसे अपने भाई से गिफ्ट मिला था लेकिन इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी ने शुरुआत में इस तोहफे को टैक्सेबल इनकम के तौर पर माना था। इस मामले में इनकम टैक्स कमिश्नर ने भी अधिकारी के फैसले को सही ठहराया और कहा कि टैक्सपेयर यह साबित करने में नाकामयाब रहा कि गिफ्ट के तौर उसे यह पैसा अपने भाई से मिला। इस मामले को लेकर याचिकाकर्ता आईटीएटी के पास पहुंचा, जहां सबूतों के साथ यह साबित किया गया कि उसका भाई, 25 साल से दुबई में रह रहा है और वहां बिजनेस कर रहा है। उसकी ओर से मिली 20 लाख रुपये की यह रकम तोहफे के तौर पर उसे भेजी गई है।

प्रसिद्ध गायिका सुधा रघुरामन होंगी राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से विभूषित -

देवास/इन्दौर (ईएमएस)। संस्कृति विभाग द्वारा विख्यात संगीत मनीषी पं. कुमार गंधर्व की स्मृति में 24 एवं 25 अगस्त को पंडित कुमार गंधर्व समारोह का आयोजन देवास में किया जा रहा है। नई दिल्ली की प्रसिद्ध गायिका विदुषी सुधा रघुरामन को राष्ट्रीय कुमार गंधर्व सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

देवास के मल्हार स्मृति मंदिर में आयोजित समारोह की शुरूआत 24 अगस्त को विदुषी सुधा रघुरामन के गायन से होगी। इसके पश्चात तेजस एवं मिताली विंचूरकर मुम्बई के बांसुरी और तबला की जुगलबंदी होगी। 25 अगस्त को पुणे के शांतनु गोखले का संतुर वादन, शुभदा पराडकर मुंबई के गायन तथा सभा का समापन नीलाद्री कुमार मुंबई के सितार वादन से होगा। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है।

सीरम इंस्टिटयूट मंकीपॉक्स वैक्सीन बनाएगा ,कोविशील्ड भी इसी कंपनी ने बनाई थी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिटयूट ने मंकीपॉक्स वैक्सीन बनाने का ऐलान किया है। कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला ने बताया कि मंकीपॉक्स के ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित होने के बाद लाखों लोगों की मदद करने के लिए हम एक वैक्सीन विकसित कर रहे हैं। उम्मीद है कि एक साल के अंदर हम इसे बना लेंगे।

केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों के बीच देश के सभी पोर्ट और एयरपोर्ट के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश बॉर्डर पर अलर्ट जारी किया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अधिकारियों को बाहर से आने वाले यात्रियों में मंकीपॉक्स के लक्षणों को लेकर सतर्क रहने के लिए कहा है। फिलहाल भारत में अभी मंकीपॉक्स से कोई संक्रमित नहीं है। आखिरी मामला मार्च 2024 में सामने आया था।

केंद्र ने 3 अस्पतालों में बनाए नोडल सेंटर

स्वास्थ्य मंत्रालय ने 19 अगस्त को दिल्ली में केंद्र के तीन बड़े अस्पतालों- राम मनोहर लोहिया, सफदरजंग और लेडी हार्डिंग में नोडल सेंटर्स बनाए हैं। इन अस्पतालों में मंकीपॉक्स के मरीजों के इलाज और देखभाल के लिए आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। केंद्र ने सभी राज्य सरकारों को उनके राज्य के अस्पतालों में मंकीपॉक्स के मरीजों के लिए जरूरी व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक के आकलन के मुताबिक, मंकीपॉक्स के बड़े पैमाने पर फैलने का खतरा कम है।

बबीता के खिलाफ चुनाव लड़ सकती हैं विनेश,राजनीतिक दल मनाने की कोशिश कर रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। रेसलर विनेश फोगाट अपनी चचेरी बहन बबीता फोगाट के खिलाफ हरियाणा विधानसभा के चुनाव लड़ सकती हैं।

फोगाट परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि संभावना है कि हरियाणा विधानसभा में विनेश फोगाट बनाम बबीता फोगाट और बजरंग पूनिया बनाम योगेश्वर दत्त मुकाबला देखने को मिले।

पेरिस ओलिंपिक में 100 ग्राम ओवर वेट होने के कारण विनेश महिलाओं की फ्री स्टाइल 50 किग्रा वर्ग में गोल्ड मेडल जीतने का मौका चूक गईं, क्योंकि उन्हें 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने उनका माल्यार्पण किया। बताया जा रहा है कि कुछ राजनीतिक दल उन्हें मनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, विनेश किस पार्टी में शामिल होंगी, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

जन हितैषी

लेटरल भर्ती का विरोध देख सरकार ने पीछे खींचे कदम

केंद्र सरकार द्वारा यूपीएससी के पदों पर बिना आरक्षण लैटरल भर्ती 2018 के बाद से लगातार किए जा रही है, लेकिन इस मामले ने 2024 में तूल पकड़ लिया है। 2018 से लेकर अभी तक केंद्र सरकार विभिन्न मंत्रालयों में विशेषज्ञों के नाम पर लैटरल भर्ती समूह में करती चली आ रही है। इस बार केंद्र सरकार द्वारा 45 पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित कराया गया। पिछले 6 वर्षों में लगभग 200 पदों पर नियुक्तियां हो चुकी हैं। उसके बाद से आरक्षण मुद्दे पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। मोदी सरकार द्वारा 2018 के बाद से लैटरल नियुक्तियां समूह में की जा रही हैं। अभी तक यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से इनका चयन होता था। 15-20 वर्ष की सेवा के पश्चात, चयनित अधिकारी उप सचिव, संयुक्त सचिव और सचिव पद पर पहुंचते थे। अब सीधे ही भर्ती विभिन्न मंत्रालयों में उपसचिव, संचालक और संयुक्त सचिव के रूप में की जा रही है। एक तरह से यह नियमों का दुरुपयोग है। संवैधानिक प्रावधानों का पालन भी सरकार नहीं कर रही है। जिसके कारण यह मामला अब तूल पकड़ रहा है। एनडीए के सहयोगी दलों ने भी इस तरह से की जा रही नियुक्तियों का विरोध शुरू कर दिया है। जनता दल यू ने इस तरह की भर्ती पर गंभीर चिंता जताई है। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा है कि इस तरह की नियुक्तियों में आरक्षण का पालन किया जाना चाहिए। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने भी इसे संविधान विरोधी बताते हुए आरक्षण खत्म करने की मांग की है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, सरकार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विचारधारा से जुड़े हुए लोगों को प्रमुख पदों पर सीधे नियुक्त कर रही है। इस तरह की नियुक्तियों से दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के हितों का नुकसान हो रहा है। संविधान में जिस तरह से कार्यपालिका में अधिकारियों का चयन किया जाना है, उसका पालन भी सरकार नहीं कर रही है। सरकार में पूंजीपतियों का सीधा हस्तक्षेप बढ़ रहा है। लैटरल नियुक्तियों में उन लोगों की भर्ती हो रही है, जो कारपोरेट जगत से हैं। वे सीधे सरकारी सेवा के महत्वपूर्ण पदों पर आ रहे हैं। इनकी नियुक्ति विशिष्ट तरीके से की जा रही है। कांटेक्ट पर नियुक्ति होने के कारण यह कभी भी छोड़ कर जा सकते हैं। इन पर जिम्मेदारी भी तय नहीं की जा सकती है। सेबी में माधवी बुच को पहले डायरेक्टर और फिर अध्यक्ष बनाने का मामला भी विवादों में आ गया है। जो खुलासे हुए हैं, वह बड़े आश्चर्यचकित करने वाले हैं। सरकार के ऊपर यह आरोप लग रहा है कि औद्योगिक समूहों के अधिकारियों को पिछले दरवाजे से सरकारी पदों पर नियुक्ति की जा रही है। यह अधिकारी औद्योगिक समूह के हित में नीतियां बनाते हैं। संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन हो रहा है। सरकार ज़ब किसी निर्णय में फंसने लगती है तो इस स्थिति में सरकार कांग्रेस के ऊपर ठीकरा फोड़कर बचने का रास्ता बनाती है। सरकार की ओर से यही प्रयास किया गया है। इस तरह की नियुक्तियां 50 वर्षों से हो रही हैं। 1976 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लैटरल एंट्री के माध्यम से वित्त सचिव बनाया गया था। राजीव गांधी की सरकार ने सेम पित्रोदा को नॉलेज कमीशन का अध्यक्ष बनाया था। विमल जालान को मुख्य आर्थिक सलाहकार रिजर्व बैंक बनाया गया था। 2009 में कौशिक बसु को केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया था। रघुराम राजन को भी वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया था। मोंटेक सिंह अहलुवालिया 2004 से 2014 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष पद पर रहे। 2009 में नंदन नीलकेणी को भी यूआइडीएआइ का मुखिया बनाया गया था। पिछले 50 वर्षों में केंद्र सरकार में विशेषज्ञ के रूप में जिन लोगों की नियुक्ति हुई थी, उनकी संख्या वर्तमान की तुलना में बहुत कम है। वित्त और तकनीकी के जानकार उस समय देश में बहुत कम विशेषज्ञ थे। जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जानकारी और विशेषज्ञता रखते थे। पिछले 6 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा उप सचिव, सचिव और संचालक स्तर पर जो नियुक्तियां की जा रही हैं। उसमें हमेशा से भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी या भारतीय सेवा के अधिकारी ही नियुक्त किए जाते थे। लैटरल भरती का मुद्दा अब गरमा गया है। इसे उच्च पदों पर आरक्षण खत्म करने से लेकर जोड़ा जा रहा है। सरकार ने अपनी जिद नहीं छोड़ी, ऐसी स्थिति में एनडीए सरकार में दरार पड़ सकती है। केंद्र सरकार पहले ही जाति आरक्षण और संविधान को खत्म करने के आरोप में बुरी तरह से घिरी हुई है। बजट सत्र में भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वित्त मंत्रालय में अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर वित्त मंत्री को सदन के अंदर घेरा था। इस बार केंद्र में गठबंधन की सरकार है। आरक्षण जैसे संवेदनशील मसले पर यदि उसके सहयोगी दल उसका साथ नहीं देंगे, तो सरकार के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। सरकार के अस्तित्व पर भी संकट आ सकता है। जिसके कारण देश में राजनीतिक हलचल बड़ी तेजी के साथ बढ़ गई है। लगातार हुए विरोध का नतीजा ही कहेंगे कि अब केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री को लेकर अपने कदम वापस पीछे खींच लिए हैं। दरअसल लेटरल भर्ती मामले को लेकर मचे राजनीतिक बवाल के बीच में ही कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए संघ लोक सेवा आयोग को एक पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से मंत्री ने संघ लोक सेवा आयोग से लेटरल एंट्री के आधार पर निकाली गई भर्तियों को वापस लेने के लिए कहा है। इसमें उल्लेख किया गया है कि चूंकि लेटरल एंट्री के आधार पर निकाली गई भर्तियों में आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया है, इसलिए इसे ध्यान में रखते हुए इसे वापस ले लिया जाए। इससे यह तो स्पष्ट है कि गठबंधन वाली यह सरकार ज्यादा विरोध बर्दाश्त नहीं कर सकती है, यदि ऐसा हुआ तो कुर्सी जाने का खतरा सदा बना रहेगा। ऐसे में अपने कदम वापस ले सरकार ने लोगों की नाराजगी से बचने का काम किया है।

नौकरशाही का पिछवाड़ा यानि लेटरल एंट्री

देश में आजकल लेटरल एन्ट्री विवाद का मुद्दा है। ये मुद्दा बंगाल के बलात्कार काण्ड पर भी भारी पड़ गया है।लेटरल एन्ट्री यानि किसी भी सिस्टम में पिछवाड़े से प्रवेश करना कहा जाता है। ये सिस्टम उतना ही पुराना है जितनी मानव सभ्यता। आप यदि थोड़ा सा अन्वेषण करेंगे तो आपको इस पिछवाड़ा प्रवेश के तमाम उदाहरण मिल जाएंगे। लेटरल एन्ट्री एक सुरक्षित उपक्रम है। हमारे यहां घरों से लेकर क़ानून और सियासत में एक न एक लेटरल एन्ट्री गेट होता ही है। और होना भी चाहिए।

घरों में लेटरल एन्ट्री आपातकाल के लिए बनाई जाती है। क़ानून में लेटरल एन्ट्री की व्यवस्था बचाव के लिए की गयी है और राजनीति में लेटरल ऐंट्री उन लोगों के लिए की गयी है जो या तो चुनाव नहीं लड़ सकते या फिर हार जाते है। हमारी संसद का उच्च सदन जिसे आप राज्य सभा के रूप में जानते हैं लेटरल एन्ट्री के जरिये ही सजाया जाता है। लेटरल एन्ट्री आखिर लेटरल ऐंन्ट्री है। उस पर सियासत होना भी चाहिए या नहीं ,ये विवाद का एक नया विषय हो सकता है ?

ताजा विवाद केंद्र सरकार द्वारा लेटरल एंट्री के जरिये 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा के बाद शुरू हुआ है। संघ लोक सेवा आयोग की सेवाओं में लेटरल एंट्री को लेकर सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। खड़गे ने दावा किया कि यह आरक्षण छीनकर संविधान को बदलने का 'भाजपाई चक्रव्यूह' है। इससे पहले भी कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधा था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इससे आरक्षण खत्म हो जाएगा।

राज्य सभा में लेटरल एन्ट्री का विरोध इसलिए नहीं होता क्योंकि सभी राजनीतिक दल इसका लाभ उठाते हैं लेकिन नौकरशाही में लेटरल एन्ट्री पर हंगामा स्वाभाविक है। इसके जरिये सरकार अपनी पसंद के लोगों को महत्पूर्ण पदों पर विशेषज्ञ बनाकर बैठाती है। ये एक तरह का उपकार भी है और औजार भी। ब्यूरोक्रेसी में लेटरल एंट्री एक ऐसी प्रथा है जिसमें मध्य और वरिष्ठ स्तर के पदों को भरने के लिए पारंपरिक सरकारी सेवा संवर्गों के बाहर से व्यक्तियों की भर्ती की जाती है। नौकरशाही में लेटरल एंट्री औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था, जिसमें 2018 में रिक्तियों के पहले सेट की घोषणा की गई थी। उम्मीदवारों को आमतौर पर प्रदर्शन के आधार पर संभावित विस्तार के साथ तीन से पांच साल तक के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है। इसका उद्देश्य बाहरी विशेषज्ञता का उपयोग करके जटिल शासन और नीति कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करना है।

लेटरल एन्ट्री के दुष्परिणाम हाल हमें हम बांग्लादेश में देख चुके है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सरकार में इसी तरह से सभी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी पार्टी के लोगों को न सिर्फ बैठा दिया था बल्कि उनके लिए बाकायदा आरक्षण की व्यवस्था कर दी थी। इसी व्यवस्था के फलस्वरूप बांग्लादेश में तख्ता पलट हो गया। हमारे यहां ऐसा असम्भव है क्योंकि हम सहनशील लोग है। हम अभी तक नीट पेपर लीक काण्ड पर शिक्षा मंत्री नहीं हटा पाए,सरकार तो क्या ख़ाक हटाएंगे ? आई वाश के रूप में परीक्षाएं करने वाली संस्था के एक पदाधिकारी की बलि जरूर ले ली गयी। सत्ता पक्ष अपने फैसले के समर्थन में कांग्रेस की सरकार के समय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और मोंटेक सिंह आहलूवालिया की वित्त सचिव और योजना आयोग में की गयी नियुक्तियों का हवाला देती है।

दरअसल मै तो इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार का अहसानमंद हूँ कि सरकार लेटरल एन्ट्री के जरिये केवल पांच साल के लिए नियुक्तियां कर रही है ,अन्यथा सरकार चाहती तो उन्हें अगले 35 साल तक के लिए नियुक्त कर सकती थी ,क्योंकि बकौल अमित शाह भाजपा अभी 35 साल और सत्ता में रहने वाली है। मुझे इस बात पर भी आपत्ति है कि कांग्रेस समेत तमाम विपक्ष लेटरल एन्ट्री के मुद्दे पर सारी लड़ाई एक्स

ड × .पर लड़ रही है जबकि ये लड़ाई सोशल मीडिया पर नहीं, सड़क और अदालतों में लड़ी जाना चाहिए। जनता को यदि ये फैसला गलत लगता है तो जनता को अर्थात नौजवानों को ये लड़ाई अपने हाथ में लेना चाहिए ,क्योंकि राजनीतिक दल इस लड़ाई के पात्र नहीं है। वे सब एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। अगर लेटरल एन्ट्री खराब व्यवस्था है तो इसे अदालत में भी चुनौती दी जाना चाहिए ,अन्यथा तिल का ताड़ बनाने का कोई लाभ नहीं है।

मुझे क्या देश के अधिकांश लोगों को पता है कि भाजपा सरकार ने पिछले दस साल में तमाम विश्व विद्यालयों और नेशनल बुक ट्रस्ट जैसे तमाम संगठनों में संघ दक्ष लोग बैठा दिए हैं जो लगातार शिक्षा,समाज अर्थव्यवस्था और इतिहास के साथ ही विभिन्न कलाओं का संघीकरण करने में जुटे हैं। कांग्रेस और विपक्ष इन्हें रोकने में पूरी तरह नाकाम रही है ,पिछली सरकार तो भाजपा की ताकतवर सरकार थी ,ये सरकार तो बैशाखियों पर टिकीं सरकार है ,कमजोर सरकार है ,लेकिन पूरे जोर-शोर से अपने हिडन एजेंडे पर काम कर रही है। मुझे नहीं लगता कि देश का कथित रूप से ताकतवर विपक्ष बैशाखा सरकार को सिस्टम में संघियों की लेटरल एन्ट्री को रोक पायेगा। जय श्रीराम (लेखक-राकेश अचल/ ईएमएस)

मथुरा में कृष्ण नाम की लूट है लूट सके तो लूट!

द्वापर युग के महानायक भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली देखने और अपने कान्हा के साथ साथ राधा रानी के बरसाना जाने की मेरी पत्नी सुनीता की वर्षो से इच्छा थी,लेकिन कभी ऐसा अवसर नही आया था कि वहां जाकर भक्ति की नगरी में कृष्णमय हुआ जा सके। अचानक मेरे भांजे दिनेश जो पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर रहे है,के द्वारा वृंदावन में एक गेस्ट हाउस बनाने व उसके लिए मुहर्त अवसर पर आमंत्रण का सौभाग्य मिला तो मुझे लगा यह एक बेहतर अवसर है कान्हा के घर जाने का। मैंने बिना देरी किये मथुरा में डाक विभाग के एसएसपी रहे अपने मित्र अरविंद शर्मा को साथ चलने के लिए तैयार किया और हम 17 अगस्त की सुबह नन्दादेवी एक्सप्रेस से जा पहुंचे रुड़की से मथुरा। ट्रेन से उतरते ही रेलडाक सेवा के गेस्टहाउस पहुंचकर थोड़ा आराम किया और फिर हल्का नाश्ता करने के बाद सीधे श्रीकृष्ण जन्मस्थली जा पहुंचे। चूंकि यहां एक बार पहले भी आ चुका हूं इसलिए दर्शन में सुगमता रही। मेरी पत्नी सुनीता का मन पहले द्वारकाधीश मंदिर जाने का था लेकिन जैसा पिछली बार मेरे साथ हुआ वैसा ही संयोग इस बार भी हुआ,ऑटो वाले ने कहा,पहले श्रीकृष्ण जन्मस्थली चलो वह निकट है फिर वहां से द्वारकाधीश चलना। हमे उसकी बात उचित लगी और हम पहुंच गए श्रीकृष्ण जन्मस्थली, जहां भारी पुलिस सुरक्षा के बीच श्रद्धालुओ के मोबाइल ,कैमरे बाहर ही रखवा दिए जाते है। दो दो बार तलाशी लेकर ही जन्म स्थान पर जाने दिया जाता है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान का मुखद्वार बहुत सुंदर कलाकृतियों से बना है। द्वार पर दोनो तरफ द्वारपाल की प्रतिमाएं लगी है। हमने कन्हैया के जन्मस्थान पर बने उस विराट भव्य मन्दिर के दर्शन किये, जिसे जन्माष्टमी पर टेलीविजन पर पूरी दुनिया लाइव देखती है, फिर गर्भ गृह जाकर वह जेलनुमा गुफा देखी जहां देवकी ने कन्हैया को जन्म दिया था। आज भी वह स्थान किसी कालकोठरी से कम नही लगता। चूँकि कान्हा वहाँ जन्मे थे, इसलिए जेल की कालकोठरी भी श्रद्धा भाव का प्रतीक बन गई। श्रीकृष्ण जन्म स्थान रूपी इस विराट व भव्य परिसर मे कई अन्य मन्दिर है और कृष्ण चबूतरा भी बना हुआ है। जन्म स्थान की दीवार से सटी एक मस्जिद है। जन्मस्थली पर लेजर शो के माध्यम से जहां कृष्ण महिमा दिखाई जाती है वही भव्य झांकियो के र्ग्मित कृष्ण लीला के दर्शन होते है। हमने भी श्रद्धाभाव के साथ कान्हा के दर्शन किए और फिर अगले पड़ाव श्री द्वारकाधिश्वर मन्दिर जाकर राजा के रूप में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए , पास ही बह रही यमुना जी श्रीकृष्ण लीला की प्रत्यक्ष साक्षी नज़र आती है। मथुरा में हम जहां जहां भी गए वही वही जय श्रीकृष्णा - राधे राधे के उद्बोधन की गूंज से मन को अच्छा लगा। भक्ति की इस नगरी मे एक बार जाने के बाद बार बार जाने और कन्हैया की याद मे खो जाने की ललक ही मथुरा को जीवन्त बनाये हुए है। वास्तव में योगिराज श्रीकृष्ण सोलह कला सम्पन्न देवता है, जिन्होंने अपनी सर्वगुण सम्पन्नता महाविकारी व अत्याचारी शासक कंस का वध किया और महाभारत युद्ध के समय श्रीमद् भागवत गीता के उदभव के निमित्त बने। श्रीमद् भागवत स्वयं परमात्मा का सन्देश है जो अर्जुन को धर्म की रक्षा के लिए दिया गया। श्रीकृष्ण का पूर्ण आभामण्डल ही हर किसी को लुभाता रहा है। उनका मनमोहक स्वरूप,उनकी गीत संगीत से ओत प्रोत ज्ञान मुरली,उनकी प्राकृतिक आपदा के समय गोवर्धन पर्वत के माध्यम से जनसामान्य की मदद करने की घटना व गरीब मित्र सुदामा का अपने राजमहल मे दिव्य व भव्य अतिथि सत्कार कर श्रीकृष्ण सबके दिलो में बस गए। तभी तो कही लड्डू गोपाल के रूप मे तो कही नटखट गोपाल के रूप मे,कही घनश्याम के रूप मे तो कही कन्हैया के रूप मे श्री कृष्ण विभिन्न कला दिखाते हुए नजर आते है। श्रीकृष्ण जी महाराज जिसे पौराणिकों ने लीलाधर, रसिक, गोपी प्रेमी, कपड़े चोर, माखन चोर और न जाने क्या-क्या लिखा गया। जिससे श्रीकृष्ण की छवि प्रभावित भी हुई। योगिराज श्रीकृष्ण की 16 हजार गोपियाँ दर्शाई गई, वे छिपकर कपडे चुराने जाया करते थे, गीत बना दिए कि मनिहार का वेश बनाया श्याम चूड़ी बेचने आया, अश्लील कथा जोड़ दी कि उनके आगे पीछे करोड़ो स्त्रियाँ नाचती थी वो रासलीला रचाते थे। ऐसी स्थिति में श्री कृष्ण को समझना बहुत आवश्यक है। श्रीकृष्ण महाभारत में एक पात्र है जिनका वर्णन सबने अपने-अपने तरीके से किया है। सूरदास ने कृष्ण को बचपन से बाहर नही आने दिया, सूरदास के कृष्ण कभी बच्चे से बड़े नहीं हो पाते है। रहीम और रसखान ने उनके साथ गोपियाँ जोड़ दी, इन लोगों ने वो कृष्ण नही दिखाया जो शुभ को बचाना, अशुभ को छोड़ना सिखाता था। कृष्ण की बांसुरी में सिवाय ध्यान और आनंद के और कुछ भी नहीं था पर मीरा के भजन में दुख खड़े हो ,गये पीड़ा खड़ी हो गयी। हजारों सालों तक कृष्ण के जीवन को हर किसी ने अपने अपने तरीके से प्रस्तुत किया। कृष्ण का असली चरित्र जो वीरता का चरित्र था जो साहस का था। जो ज्ञान का था जो नीति का था जिसमें युद्ध की कला थी वो सब हटा दिया। स्वामी दयानंद आये उन्होंने हमारे सामने कृष्ण के शब्दों को रखा हमें बताया कि हम लड़ तो रहे पर अपने लिए नहीं अपितु दुसरे के लिए लड़ रहे है, उठो लड़ो अपने लिए लड़ो। योगिराज की नीति उनकी युद्ध कला को समझाया। अर्जुन नाम मनुष्य का है कृष्ण नाम चेतना का है जो सोई चेतना को जगा दे उसी जाग्रत चेतना का नाम कृष्ण है। जो अपने धर्म व देश के प्रति आत्मा को जगा दे उसी का नाम कृष्ण है।

कृष्ण को पुराणों के चश्मे से नहीं समझा जा सकता। क्योकि वहां सिवाय मक्खन और चोरी के आरोपों के अलावा कुछ नहीं मिलेगा। मन्दिरों में नाचने से कृष्ण को नहीं पाया जा सकता। उसके लिए अर्जुन बनना पड़ेगा तभी कृष्ण को समझा जा सकता है। यह सत्य है कृष्ण जैसा कोई दूसरा उदहारण फिर पैदा नहीं हुआ। यदि स्त्री जाति के सम्मान की बात आये तो कृष्ण जैसा उदहारण नहीं मिलेगा। कृष्ण ने जरा-सा भी अपमान किसी स्त्री का नहीं किया। योगिराज के महान चरित्र को रासलीला से जोड़ दिया। धर्म की बुनियादों में कृष्ण हमेशा से जीवित है, जिस दिन यह अंधविश्वास के अंधकार का पत्थर हटेगा तब कृष्ण को को पा सकेंगे। मथुरा के अधिकांश लोगो की रोजी-रोटी भगवान श्रीकृष्ण के कारण ही चल रही है। लेकिन तरह से मथुरा के ऑटो रिक्शे वाले,मंदिरों के बाहर जबरन टीका लगाने या फिर मंदिर में सीधे दर्शन कराने के नाम पर लूट खसोट करने वालो से मथुरा की गरिमा प्रभावित हो रही है। चाहे यातायात व्यवस्था हो या फिर मंदिरों में श्रद्धालुओं को व्यवस्थित करने का पुलिस का जिम्मा दोनो ही भगवान भरोसे है। पुलिस सिर्फ मूकदर्शक बन श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ देती है,जो कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। जिसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ध्यान देने की आवश्यकता है। अन्यथा यही कहा जाएगा। कृष्ण नाम की लूट है,लूट सके तो लूट। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक वरिष्ठ पत्रकार है)

बलात्कार की बढ़ती घटनाएं चिंताजनक

- ये कैसा विकसित भारत......

ये कैसी विडम्बना है कि जहां एक तरफ लाल किले की प्राचीर से देश में न्यायिक सुधार, 2047 में विकसित भारत और महिलाओं के खिलाफ अपराध में सजा की बात की जा रही थी तो दूसरी तरफ देश की बेटियां न्याय की मांग करते हुए आंदोलन कर रहीं थी। जश्न-ए-आजादी के बीच महिलाओं का ये आंदोलन कई सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर कब तक इसी तरह बलात्कार होते रहेंगे, कब तक ऐसे दरिंदे खुलेआम घूमते रहेंगे, कब तक महिला सुरक्षा को लेकर जबानी जमा खर्च होता रहेगा। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में लेडी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी ने हर किसी झकझोर दिया है। इसको लेकर देश भर गुस्सा है। विपक्ष से लेकर सेलिब्रिटीज़, राजनेता और आम आदमी हर किसी के जहन में यही सवाल है कि आखिर आजादी के इतने बरसों बाद भी महिलाएं सुरक्षित और आजाद क्यों नहीं हैं। कोलकाता के रेप-मर्डर मामले की जांच अब सीबीआई के हाथों में है।

आपराधिक आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि देश में बलात्कार चैथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2019 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार देश भर में 32033 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे या ये भी कहा जा सकता है कि हर रोज औसतन 88 मामले दर्ज हुए। इसके अलावा नाबालिगों के साथ उत्पीड़न और बलात्कार की घटनाएं भी सामने आतीं रहतीं हैं। ब्यूरो की इन आंकड़ों से जाहिर है बलात्कार की घटनाएं कम नहीं हुई हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में भी बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े चिंताजनक हैं।

खैर, कोलकाता की घटना के बाद एक फिर डॉक्टर आंदोलित हैं और हड़ताल पर चले गए हैं। इन डॉक्टरो को देश के अन्य राज्यों के डॉक्टरो का भी समर्थन मिल रहा है। कोलकाता में डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं भी प्रभावित हो रहीं हैं। डॉक्टरो का कहना है कि उन्हें माकूल सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए। सभी अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। मृतक डॉक्टर के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और इस मामले में जल्द से जल्द न्याय हो। हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून या सेंट्रल हेल्थकेयर प्रोटेक्शन एक्ट बनाया जाए। साथ ही इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी सख्त कदम उठाए जाने की बात कही है। देश भर के डॉक्टर कोलकाता के डॉक्टरों के साथ एकजुटता दिखा रहे हैं। डॉक्टरो की चिंता बेवजह नहीं है। हालांकि, जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो पहले ये देखना होगा कि क्या बलात्कार की इस तरह की घटनाओं के पीछे कानून का कमजोर होना है या फिर किसी कड़े कानून की कमी इसकी वजह है। वैसे, ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्सस एंड मेडिकेयर सर्विस इंस्टिटयूशंस (प्रिवेंशन ऑफ वॉयलेंस एंड डैमेज-लॉस टु प्रॉपर्टी) एक्ट पहले से ही लागू है। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी ही आरोप तय होने के बाद अदालत पहुंच सके। तो ये माना जा सकता है कि असल समस्या कानून की कमी नहीं बल्कि उस पर सख्ती से अमल है। बहरहाल, अस्पताल में लेडी डॉक्टर ही नहीं बल्कि पुरूष डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ और दिगर स्वास्थ्य कर्मी भी हमलों का शिकार होते रहते हैं। बात सिर्फ यहीं तक नहीं हैं अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा भी बड़ा मसला है। अस्पतालों में भर्ती महिला मरीजों भी यौन हमलों की खबरें आतीं रहतीं हैं। देश में शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को लेकर व्यापक जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है। मंहगी शिक्षा और मंहगी दवाएं तथा अस्पतालों में इलाज और जांच के नाम पर होने वाला खर्च भी चर्चा का विषय है। कतिपय अस्पतालों में मेडिसिन और सर्जिकल आइटम की सप्लाई के गोरखधंधे, कमीशनखोरी, और इससे जुड़े रैकेट के सक्रिय होने की बात तो सब जानते हैं लेकिन कोलकाता के इस मामले में सेक्स रैकेट और ड्रग्स का एंगल भी सामने आया है। बहरहाल, सीबीआई जांच के बाद और भी चैकाने वाले खुलासे हो सकते हैं लेकिन इस मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। डॉक्टरो पर हमलों के साथ ही मरीजों पर भी वित्तीय हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाया जाना जरूरी है। (लेखक- मुस्ताअली बोहरा/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8104

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित,संरक्षित-4
4. उत्सुकता,जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार,प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट,तश्तरी-3
15. रहस्य,भेद-2
16. जी,चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल,टोंटी-3
24. देवर्षि,देवमुनि-3
26. गुप्तचर,जासूस-2
27. गमन,विदा होना-3
28. ईश्वर,रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा,मर्जी-2
3. अंधकार,अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल,कीमत,दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार,अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम,नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत,भाव-2

शब्द पहेली -8103 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अब सिर्फ 4 मिनट में होगा फोन फुल चार्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में जल्द ऐसी चार्जिंग तकनीक आ जाएगी, जिससे सिर्फ 4 मिनट में फोन फुल चार्ज हो जाएगा। दरअसल रियलमी ने कंफर्म कर दिया है कि आने वाले समय में उसके फोन में 320वॉट चार्जिंग टेक्नोलॉजी दी जाएगी।

हालांकि फिलहाल कंपनी ने ये नहीं बताया है कि कौन से फोन में ये सुविधा मिलेगी, लेकिन लगभग 4 मिनट में बैटरी के 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज होने की बात सामने आई है।पिछले कुछ सालों में फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी को बिगड़ते हुए देखा गया है, और रियलमी और शाओमी ने पूरी ताकत दिखा दी कि तकनीक कितनी तेज हो सकती है। रियलमी ने पहले अपने जीटी सीरीज़ के फोन को 240वॉट चार्जिंग सपोर्ट के साथ लॉन्च किया है, जबकि रेडमी ने अपनी 300वॉट टेक्नोलॉजी की पेशकश की है, जिसे उसने अभी तक किसी डिवाइस के साथ लॉन्च नहीं किया है। इस हफ्ते रियलमी ने बता दिया है कि वह 320वॉट चार्जिंग लाने की प्लानिंग कर रही है।रियलमी ने अपनी मौजूदा 240वॉट चार्जिंग यूनिट का इस्तेमाल किया है और 320वॉट चार्जिंग स्पीड का सपोर्ट करने के लिए अपनी पावर बढ़ा दी है और ऐसा कंपनी ने एडैप्टर के साइज़ को बढ़ाए बिना किया है। रियलमी के चार्जर में दो यूएसबी-सी पोर्ट हैं जो रियलमी फोन के लिए 150वॉट तक चार्जिंग स्पीड को सपोर्ट कर सकते हैं, जबकि दूसरे पोर्ट का इस्तेमाल लैपटॉप और दूसरे गैजेट्स के लिए 65वॉट पर चार्ज करने के लिए किया जा सकता है।

रियलमी के डेमो वीडियो में उन्हें 320वॉट एडैप्टर का इस्तेमाल करके 4,420 एमएएच बैटरी वाले फोन को चार्ज करते हुए दिखाया गया है और उन्होंने इसे चार मिनट और 30 सेकंड में पूरी तरह से चार्ज कर दिया है। शाओमी की 300वॉट चार्जिंग तकनीक को 4,100 एमएएच बैटरी के साथ डिवाइस को चार्ज करने में लगभग 5 मिनट का समय लगा। मालूम हो कि फोन की चार्जिंग को लेकर कई लोगों को बहुत चिंता रहती है। कुछ लोगों का काम फोन पर इतना रहता है कि हर थोड़ी-थोड़ी देर पर उन्हें फोन को चार्ज करना पड़ता है। इससे कई लोगें के काम में रुकावट भी आती है।

खेल - समाचार

खाप पंचायतो से 100 ग्राम सोने से बना गोल्ड मेडल मिलेगा विनेश फोगाट को

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक मे एक साजिश के तहत विनेश फोगाट को अयोग्य घोषित किया गया। उसे कोई मेडल ना मिले,इसकी साजिश रची गई थी। इस कमी को पूरा करने के लिए खाप पंचायतों ने विनेश फोगाट को गोल्ड मेडल से सम्मानित करने का फैसला किया है।

विनेश फोगाट को 100 ग्राम शुद्ध सोने का स्वर्ण पदक देने का फैसला खाप पंचायतो ने किया है। इसके लिए 7। 3 लाख रुपए होगी। खाप पंचायतों के अध्यक्ष सोमवीर सांगवान ने कहा, हम विनेश फोगाट को ओलंपिक से भी बेहतर गोल्ड मेडल देने जा रहे हैं। विनेश ने जिस तरह से ओलंपिक में प्रदर्शन किया है। विनेश ने भारत के करोड़ों देशवासियों का दिल जीता है।

25 अगस्त को होगा समारोह

खाप पंचायतों द्वारा 25 अगस्त को सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है। हरियाणा के गांव बलाली में यह समारोह आयोजित किया गया है। इसमें सभी खाप पंचायत के लोग शामिल होंगे।

ओलंपिक का गोल्ड मेडल

ओलंपिक का गोल्ड मेडल 529 ग्राम का होता है। इसमें 505 ग्राम चांदी होती है। 18 ग्राम आयरन मिलाया जाता है। मात्र 6 ग्राम सोना होता है। खाप पंचायत सोने का जो मेडल दे रही है। उसमें 100 ग्राम निख़ालिस सोना होगा। जबकि ओलंपिक मेडल में मात्र 6 ग्राम सोना होता है।

सिनर और सबालेंका ने जीता सिनसिनाटी ओपन

मेसन (ईएमएस)। इटली के यानिक सिनर और बेलारुस की आर्यना सबालेंका ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का पुरुष और महिला एकल खिताब जीता है। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने अपने अपने मुकाबले आसानी से जीत लिए। इन दोनो ने ही ये खिताब पहली बार जीता है।

विश्व के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी सिनर ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को फाइनल में 7-6(4) 6-2 से हराया। वह 2008 में एंडी मरे के बाद सबसे कम उम्र में सिनसिनाटी ओपन जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं।

वहीं महिला एकल फाइनल में सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 6-3, 7-5 से हराया। इससे पहले मरे ने 21 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था। सिनर और टियाफो दोनों पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। इससे पहले दोनो ही इस टूर्नामेंट में तीसरे दौर से आगे नहीं पहुंचे थे। सिनसिनाटी ओपन से इन्हें इसी माह शुरु होने वाले अमेरिकी ओपन के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का अच्छा अवसर मिला है। इन दोनो ही खिलाड़ियों ने अपने अपने मुकाबले आसानी से जीत लिए। इन दोनो ने ही ये खिताब पहली बार जीता है।

विश्व कप क्वालीफायर मैचों से बाहर हुए मेसी

ब्यूनस आयर्स (ईएमएस)। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनल मेसी चोटिल होने के अगले माह होने वाले विश्व कप क्वालीफायर मैचों से बाहर हो गये हैं। ऐसे में अब अर्जेंटीना को चिली और कोलंबिया के खिलाफ होने वाले इन मैचों में मेसी के बिना ही उतरना होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार मेसी को फिट नहीं होने के कारण 28 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह गत माह जुलाई में कोलंबिया हुए कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में टखने की चोट से अब तक नहीं उबर पाये हैं। मेसी के अलावा गोलकीपर फ्रेंको अरमानी को भी टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा रोमा के फारवर्ड पाउलो डायबाला को भी शामिल नहीं किया गया है। वहीं मिडफील्डर एजेक्विएल फर्नांडीज और स्ट्राइकर वैलेन्टिन कैस्टेलानोस को पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा युवा खिलाड़ियों एलेजांद्रो गार्नाचो, वैलेन्टिन कार्बोनी, वैलेन्टिन बारको और मटियास सोल को भी टीम में जगह मिली है।अर्जेंटीना का मुकाबला अगले माह 5 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में चिली से और इसके बाद कोलंबिया से होगा।

अर्जेंटीना टीम इस प्रकार है : गोलकीपरः वाल्टर बेनिटेज़ (पीएसवी आइंडहोवेन), गेरोनिमो रूली (ओलंपिक डी मार्सिले), जुआन मुसो (अटलांटा), एमिलियानो मार्टिनेज (एस्टन विला)।

डिफेंडरः गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम हॉटस्पर), जर्मन पेज़ेला (रिवर प्लेट), लियोनार्डो बालेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ओलंपिक लियोनिस), वैलेन्टिन बारको (ब्राइटन और होव एल्बियन)।

मिडफील्डरः गुइडो रोड्रिगेज (वेस्ट हैम यूनाइटेड), एलेक्सिस मैक एलिस्टर (लिवरपूल), एंजो फर्नांडीज (चेल्सी), जियोवानी लो सेल्सो (टोटेनहम हॉटस्पर), एजेक्विएल फर्नांडीज (अल कादसिया), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), निकोलस गोंजालेज (फियोरेंटीना)), लिएंड्रो पेरेडेस (एएस रोमा)।

फॉरवर्डः एलेजांद्रो गार्नाचो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), मटियास सोले (एएस रोमा), गिउलिआनो शिमोन (एटलेटिको मैड्रिड), वैलेन्टिन कार्बोनी (ओलंपिक मार्सिले), जूलियन अल्वारेज़ (एटलेटिको मैड्रिड), लुटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान), वैलेन्टिन कैस्टेलानोस (लाज़ियो)।

आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप रिजिनल क्वालि फायर :डेरियस ने 39 रन बनाकर नया विश्व रिकार्ड बनाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप रिजिनल ईस्ट एशिया पेसिफिक क्वालिफायर-ए मैच में समोया के बल्लेबाज डेरियस विस्सर ने एक ही ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया है। ये मैच समोया और वानुअतु के बीच था। इस मैच में विस्सर ने एक ही ओवर में 39 रन बनाकर अब तक के सभी रिकार्ड तोड़ दिये।

विस्सर ने वानुअतु के तेज गेंदबा नालिन निपिको की गेंदों पर 6 शानदार छक्के लगाये। 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के जड़ने का रिकॉर्ड पहले भी भारत के युवराज सिंह सहित कई खिलाड़ियों ने बनाया है पर एक ओवर में 39 रन बटोरे जाने का रिकॉर्ड आज से पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं बना। डेरियस विस्सर ने वानुअतु के गेंगदाज नालिन निपिको के खिलाफ पारी के 15वें ओवर की पहली तीन गेंदों पर ही तीन छक्के लगा दिये। वहीं चौथी गेंद नो बॉल रही। इसके बाद विस्सर ने फिर से छक्का लगाया।

पांचवीं गेंद पर रन नहीं बना पर अगली गेंद पर डेरियस ने फिर से छक्का मारा ये गेंद नो बॉल रही और फिर से निपिको ने अंतिम गेंद फेंकी तो डेरियस ने एक और छक्का मार दिया। इस तरह कुल 6 छक्के और तीन रन उसे नो बॉल के आधार पर मिले।

खेल पंचाट ने विनेश की अपील खारिज करने का कारण बताया,वजन पर नियंत्रण खिलाड़ी की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। खेल पंचाट ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को संयुक्त रुप से रजत दिये जाने की याचिका खारिज किये जाने पर अपना जवाब दिया है। खेल पंचाट के अनुसार वजन पर नियंत्रण रखना खिलाड़ी की जिम्मेदारी है। पंचाट का कहना है कि उसके लिए सभी खिलाड़ी बराबर हैं और नियम भी पूरी तरह से स्पष्ट हैं। साथ ही कहा कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी प्रकार की राहत देना संभव नहीं है। ऐसे में खिलाड़ियों को ही ये पक्का करना होगा कि वे अपने वजन को तय सीमा के अंदर रहें।

इससे पहले खेल पंचाट के तदर्थ पैनल ने विनेश को 100 ग्राम अधिक वजन के कारण फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ की गयी अपील को खारिज कर दिया था। वहीं इस फैसले पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कड़ी प्रतिक्रिया जतायी थी। खेल पंचाट ने , 'वजन सीमा के संबंध में नियम स्पष्ट हैं और सभी प्रतियोगियो के लिए समान हैं। इसके लिए ऊपरी सीमा में किसी भी प्रकार की कोई राहत प्रदान नहीं की गई है। ऐसे में यह स्पष्ट रूप से खिलाड़ी की जिम्मेदारी है कि वह उस सीमा के अंदर रहे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आवेदक का वजन सीमा से अधिक था। उसका मामला यह है कि उसका वजन मात्र 100 ग्राम अधिक था और इसकी छूट मिलनी चाहिए क्योंकि ऐसा पानी पीने और विशेष रूप से मासिक धर्म से पहले के चरण के दौरान हो जाता है।'

विनेश को महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल के ठीक पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उनकी अपील पर फैसला काफी समय बाद अया। अपनी अपील में विनेश ने मांग की थी कि उन्हें क्यूबा की पहलवान युसनेलिस गुजमैन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए कयोंकि लोपेज सेमीफाइनल में उनसे हार गई थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद ,सेंसेक्स 378 , निफ्टी 126 अंक ऊपर आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग, वित्त और वाहन शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 378.18 अंक करीब 0.47 फीसदी बढ़कर 80,802.86 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.20 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी ऊपर आकर 24,698.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 24 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। इसमें बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनैंस और कोटक बैंक शामिल रहे। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, एनटीपीसी, नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, एसबीआई, टीसीएस, रिलायंस, एलएंडटी, इंफोसिस, मारुति, एचसीएल टेक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एचयूएल, एमएंडएम, पावर ग्रिड और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़े।

दूसरी ओर सेंसेक्स के केवल 6 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें भारती एयरटेल, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल थे। इसके अलावा, टाटा मोटर्स के शेयर भी नीये आये।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी बाजार में मंदी की आशंका कम होने से भी घरेलू बाजार में उछाल आया है।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और टोक्यो बढ़त पर बंद हुए जबकि शंघाई और हांगकांग के शेयर नीचे आये। यूरोपीय बाजार में बढ़त दर्ज की गयी। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे। वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 297.86 अंक बढ़कर 80,722.54 के स्तर पर खुला, जबकि निफ्टी 50 76.25 अंक बढ़कर 24,648.90 के स्तर पर पहुंच गया। एनएसई की कंपनियों में बीपीसीएल, टीसीएस, हीरो मोटोक्रॉप, इंडसइंड बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे जबकि ओएनजीसी, भारती एयरटेल, सीआईपीएलए, एचसीएल टेक और आईटीसी एनएसई गिरावट में कारोबार कर रहे थे। बीएसई की कंपनियों में टीसीएस के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

सोने का भाव 71,550 रुपए, चांदी 84,500 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को सुस्ती के साथ हुई जब?कि चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव 71,550 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बाद में सोना नरम पड़ गया। सोने के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 54 रुपये की गिरावट के साथ 71,530 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 43 रुपये की गिरावट के साथ71,541 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भावकी शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट462रुपयेकीतेजीकेसाथ 84,800रुपये पर खुला। इस समय यह 176 रुपये की तेजी के साथ 84,514 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

इजराइल, हमास से संघर्ष विराम को राजी, अमेरिका ने दिया प्रस्ताव

-इजराइली सेना ने शिविर पर बरसाए बम, कई फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा,(ईएमएस)। इजराइल ने हमास के संघर्ष विराम के लिए अमेरिका का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इजराइल और हमास के बीच कई महीनों से संघर्ष जारी है लेकिन अब इजरायल और लेबनान के बीच जंग का मोर्चा खुल गया है। रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्ला ने इजराइल पर रॉकेट हमला किया है। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने कब्जे वाले गोलान हाइट्स में इजराइली सेना के ठिकानों पर रॉकेट बैराज दागे हैं।

हिजबुल्ला ने कहा कि यह हमला पिछले दिन पूर्वी लेबनान पर इजराइली हमलों के जवाब में था। 19 अगस्त को इजराइल ने बेका घाटी पर हमले किए थे। एक सूत्र ने बताया कि इजराइली हमले में पूर्वी क्षेत्र में हथियार डिपो को निशाना बनाया था। इज़राइल की सेना ने गाजा में कई हमले किए, जिसमें कई बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे गए और कई घायल हुए हैं। इजराइल ने ब्यूरिज शिविर पर बम बरसाए जिसमें एक ही परिवार के छह लोग मारे गए। राफ़ा शहर में एक घर पर हमला, चार लोगों की मौत। खान यूनिस के पास अल-मवासी क्षेत्र के बाहरी इलाके में टैंक में आग लग गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। गाजा शहर के पड़ोस ताल अल-हलवा, सबरा और ज़िटौन में गोलाबारी की गई।

इजारइली हमलों के बीच खबर आई की अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल के युद्ध विराम के लिए तैयार होने की बात कही है।

वहीं उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस प्रस्ताव से गाजा में युद्ध विराम हो जाएगा। सभी बंधकों की रिहाई तय हो जाएगी, ये तय हो जाएगा कि पूरे गाजा में मानवीय मदद पहुंच सके।

सोनिया गांधी ने पॉलिएस्टर झंडों के इस्तेमाल पर मोदी सरकार को घेरा

तिरंगे के लिए खादी के इस्तेमाल पर दिया जोर

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मशीन-निर्मित पॉलिएस्टर झंडों के इस्तेमाल के लिए मंगलवार को मोदी सरकार की आलोचना की और तिरंगे के एकमात्र कपड़े के रूप में खादी को अपनाए जाने का आह्वान किया। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि खादी को राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में उसका उचित स्थान मिलना चाहिए।

पॉलिएस्टर झंडों के इस्तेमाल पर मोदी सरकार को घेरा

उन्होंने अंग्रेजी दैनिक द हिंदू में लिखे एक लेख में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस से पहले के सप्ताह में हर घर तिरंगा अभियान के लिए नए सिरे से आह्वान किया जाना राष्ट्रीय ध्वज और देश के लिए इसके महत्व पर सामूहिक रूप से आत्मावोलकन करने का अवसर प्रदान करता है। सोनिया गांधी ने कहा कि उनका (मोदी का) राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करना और एक ऐसे संगठन के प्रति निष्ठा रखना नैतिक रूप से दोहरापन है जो इस ध्वज के प्रति उदासीन रहा है। उन्होंने कहा कि मशीन-निर्मित, पॉलिएस्टर के झंडों को बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है, जिसमें कच्चा माल अक्सर चीन से आयात किया जाता है।

खादी के इस्तेमाल पर दिया जोर

सोनिया ने इस बात का उल्लेख किया कि भारतीय ध्वज संहिता के अनुसार, ऐतिहासिक रूप से राष्ट्रीय ध्वज को हाथ से काते गए और हाथ से बुने गए ऊन/कपास/रेशम/ खादी के टुकड़े से बनाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खादी एक मोटा, लेकिन मजबूत कपड़ा है जिसे महात्मा गांधी ने राष्ट्रीय आंदोलन के नेतृत्व में खुद काता और बुना था तथा इसका हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्मृति में एक विशेष अर्थ है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने कहा, खादी हमारे गौरवशाली अतीत का प्रतीक है और भारतीय आधुनिकता और आर्थिक जीवन शक्ति का प्रतीक भी है।

खादी के झंडे को कर के दायरे में रखा- सोनिया गांधी

सोनिया गांधी ने कहा, 2022 में हमारी आजादी की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर, सरकार ने मशीन निर्मित...पॉलिएस्टर...बंटिंग को शामिल करने के लिए ध्वज संहिता में संशोधन किया। साथ ही पॉलिएस्टर के झंडे को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से छूट दी गई है। खादी के झंडे को कर के दायरे में रखा गया है। उन्होंने अपने लेख में कहा कि सरकार बाजार को विनियमित करने में विफल रही है और अर्ध-मशीनीकृत चरखों से काती गई खादी को पारंपरिक हाथ से काती गई खादी के टैग के तहत धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा, यह हमारे खादी कातने वालों के लिए नुकसानदेह है, जिनकी कड़ी मेहनत के बावजूद मजदूरी प्रतिदिन 200-250 रुपए से अधिक नहीं है।

कंपनी के ऐलान के बाद सीडीएसएल शेयर तूफानी रफ्तार से दौड़ा, छह फीसदी का उछाल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन उतार-चढ़ाव देखने को मिला और मार्केट क्लोज होने पर सेनसेक्स लाल निशान पर, निफ्टी-50 हरे निशान पर बंद हुआ। इस बीच सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड का शेयर तूफानी तेजी के साथ भागा और कारोबार के दौरान छह फीसदी तक उछल गया। स्टॉक में आई तेजी के पीछे कंपनी की ओर से किया गया ऐलान है।

सीडीएसएल शेयर सोमवार को हरे निशान पर खुला था और 2855 रुपए के स्तर से कारोबार शुरू किया था, लेकिन कुछ ही देर में ये छह फीसदी तक उछलकर 2955 रुपए के हाई लेवल पर पहुंच गया। ये शुरुआती तेजी मार्केट में कारोबार खत्म होते-होते कम हो गई। बाजार बंद होने पर सीडीएसएल का शेयर 3.40 फीसदी की बढ़त लेते हुए 2883 रुपए पर क्लोज हुआ।

कंपनी के शेयर में आई जोरदार तेजी के चलते सीडीएसएल का मार्केट कैप भी बढ़कर 30130 करोड़ रुपए हो गया है। इस स्टॉक में अचानक ये जोरदार तेजी कंपनी की ओर से आई एक खबर के बाद देखने को मिली है।

बोर्ड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी शेयर की कि निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस में दिया जाएगा। इसे अप्रूवल मिलने के साथ ही बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड 24 अगस्त तय की गई है। इस खबर का असर कंपनी के शेयर पर तेजी के रूप में दिखाई दिया।

सीडीएसएल के शेयर की बीते एक साल की परफॉर्मेंस पर नजर डालें, तो ये अपने निवेशकों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। बीते जुलाई 2024 में सीडीएसएल के बोर्ड ने बैठक में कंपनी ने पहली बार एक शेयर पर एक बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अब इसकी रिकॉर्ड डेट फिक्स कर दी गई है।

कंपनियां अपने फ्री रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए बोनस शेयर जारी करती हैं और इससे प्रति शेयर आय यानी ईपीएस के साथ-साथ पेड-अप कैपिटल बढ़ता है। सीडीएसएल कंपनी की स्थापना साल 1999 में की गई थी, जो सिक्योरिटीज को इलेक्ट्रिक फॉर्म में अपने पास डिपॉजिट करती है। ये पहली ऐसी कंपनी है, जिसने दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए हैं।

सीएसआर फंड खर्च नहीं कर रही है कंपनियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले कई वर्षों से सूचीबद्ध कंपनियां सीएसआर फंड का 2 फ़ीसदी से कम खर्च कर रही हैं। प्राइम इंफोबेस ने जो डाटा 2022-23 का जारी किया है। उसके अनुसार वर्ष 2022-23 में लिस्टेड कंपनियों ने 15602 करोड रुपए सीएसआर फंड में खर्च किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सीएसआर फंड में विगत 5 वर्षों में कंपनियों ने 1475 करोड रुपए कम खर्च किए हैं। 2021-22 की तुलना में चार फ़ीसदी कम सीएसआर फंड खर्च किया गया है। राष्ट्रीय सीएसआर पोर्टल मे रजिस्टर्ड कंपनियां की संख्या 4855 है। 20 फ़ीसदी से ज्यादा रजिस्टर्ड कंपनियों ने सीएसआर का फंड खर्च नहीं किया है।

मौत का सामान इजराइल को बेच, गाजा में सामूहिक नरसंहार करा रहा अमेरिका

गाजा,(ईएमएस)। पिछले साल अक्तूबर में इजरायल पर हुए हमले के बाद से अमेरिका 27 हजार से ज्यादा बम दे चुका है। अमेरिका ने इजरायल को 50 एफ-15 फाइटर जेट, करीब 33 हजार टैंक के गोले, 30 एडवांस मीडियम रेंज मिसाइलें और 50 हजार मोर्टार के गोले शामिल है। अब अमेरिका और इजरायल पर सामूहिक नरसंहार का आरोप लग रहा है।

7 अक्तूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर जो हमला किया, उसके बाद इजरायल ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया हिल गई। जिसके बाद गुस्साए इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों, लेबनान में हिजबुल्लाह के अड्डों पर घातक हमले किए। अब आरोप लगाया जा रहा है कि इजरायल के हमलों में बेकसूर नागरिकों की ज्यादा जान गई है।

ये एक तरह का सामूहिक नरसंहार है। जिसके पीछे इजरायल ही नहीं बल्कि अमेरिका ज्यादा जिम्मेदार है। अमेरिका ने पिछले साल अक्तूबर से अब तक इजरायल को 27,100 से ज्यादा अलग-अलग प्रकार के बम दिए हैं। 50 एफ-15 फाइटर जेट, करीब 33 हजार टैंक के गोले, 30 एडवांस मीडियम रेंज मिसाइलें और 50 हजार मोर्टार के गोले दिए। हाल ही में अमेरिका ने इजरायल को 1.42 लाख करोड़ रुपए का सैन्य पैकेज भी दिया है।

इससे गाजा, लेबनान में सैकड़ों लोग मारे गए। अमेरिका लगातार इजरायल की सुरक्षा के लिए खड़ा रहा है। अब भी अमेरिका ने 34 जंगी जहाज मिडिल ईस्ट में खड़े कर दिए हैं, ताकि उसके मित्र देश को ईरान और उसके साथियों के हमले से कोई नुकसान न पहुंचे।

एमके-84 बमः अमेरिका ने 14 हजार बम दिए। एक बम 907 किलोग्राम का होता है। ये एक जनरल बम है। कहीं भी किसी भी तरह से गिराया जा सकता है। इससे भारी तबाही मचती है।

एमके-82 बमः अमेरिका ने 6500 बम दिए। यानी एक बम 227 किलोग्राम का होता है। ये भी जनरल परपज बम है।

3000 हेलफायर प्रेसिशन गाइडेड एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलः इस मिसाइल के निशाने से बचना मुश्किल है। इससे कई आतंकियों के ठिकानों को बर्बाद किया गया है।

2600 एयर ड्रॉप्ड स्मॉल डायमीटर बमः ये छोटे बम होते है, जो छोटे हमलों के लिए इस्तेमाल होते है।

1000 बंकर बस्टर बमः हमास आतंकियों के जमीन में छिपे हुए बंकरों को उड़ाने के लिए इस्तेमाल होता है!

50 एफ-15 फाइटर जेट... अमेरिका ने इजरायल को 50 एफ-15 फाइटर जेट दिए। इसके लिए 18.8 बिलियन डॉलर्स यानी 1.57 लाख करोड़ रुपए की डील हुई है।

33 हजार टैंक गोलेः अमेरिका ने इजरायल को 120 मिलिमीटर के करीब 33 हजार टैंक के गोले दिए। ये गोले 774 मिलियन डॉलर्स यानी करीब 6484 करोड़ रुपए के हैं।

मीडियम टैक्टिकल व्हीकलः अमेरिका ने इजरायल को ढेर सारे मीडियम तकनीकी वाहन दिए हैं। ये डील करीब 583 मिलियन डॉलर्स यानी करीब 4884 करोड़ रुपए की है।

30 एमरैम मिसाइलः अमेरिका ने इजरायल को 30 एडवांस मीडियम रेंज की हवा से हवा वाली मिसाइल (एमरैम) दी है। इसके लिए 102 मिलियन डॉलर्स यानी 854 करोड़ रुपए डील हुई है।

50 हजार मोर्टार के गोलेः अमेरिका ने इजरायल को 120 मिलिमीटर के 50 हजार हाई एक्सप्लोसिव मोर्टार के गोले दिए। इसके लिए 61 मिलियन डॉलर्स यानी 511 करोड़ रुपए की डील हुई है।

जम्मू-कश्मीर में एनसी-पीडीपी को साथ लाने की कोशिश में कांग्रेस

श्रीनगर(ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी दो दिन के दौरे पर बुधवार को जम्मू-कश्मीर जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद दोनों नेताओं का यह पहला दौरा है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा- दोनों नेता 21 अगस्त को दोपहर में जम्मू और 22 अगस्त को श्रीनगर में रहेंगे। वे नेताओं से चुनावी तैयारियों पर बातचीत करेंगे। शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को मिली सफलता को देखते हुए राहुल विधानसभा चुनाव में भी सभी भाजपा विरोधी पार्टियों को एकजुट रखना चाहते हैं। वह विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन की रणनीति पर बात करेंगे। खडग़े और राहुल ने 19 अगस्त को जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के महासचिवों, प्रभारियों और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों से मुलाकात की थी। वेणुगोपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक अगले तीन-चार दिनों में होगी। पार्टी जम्मू-कश्मीर में गठबंधन के लिए तैयार है और इसका मुख्य उद्देश्य भाजपा को सरकार से बाहर रखना है।

शाहीन-2 बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट

नई दिल्ली(ईएमएस)। पाकिस्तान ने मंगलवार को अपनी बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। इसे हत्फ-6 भी कहते हैं। यह सतह से सतह पर मार करने वाली मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है। इस मिसाइल का इस्तेमाल पाकिस्तान सेना का स्ट्रैटेजिक कमांड करता है। इसके जरिए पाकिस्तान अपनी ताकत दर्शाना चाहता है। इस मिसाइल परीक्षण के साथ ही पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में अपनी ताकत दिखाना चाहता है।

सेबी के लिए चुनौती बना 76 हजार 293 करोड़ बकाया वसूलना

- पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ी रकम

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के शेयर बाजार पर नजर रखने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को बकाया वसूलने में बड़ी क?ठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 76,000 करोड़ से भी अ?धिक की बकाया राशि ऐसी हैं, ?जिन्हें वसूलना सेबी के ?लिए चुनौती बन गया है। यह रकम पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ गई है। ये पैसे दरअसल उन निवेशकों के हैं, जिन्होंने पीएसीएल और सहारा इंडिया जैसी कंपनियों में ?निवेश ?किया था लेकिन ये कंपनियां लोगों के पैसे लेकर रफू चक्कर हो गईं। अब सेबी को इन पैसों को ?निवेशकों को वापस दिलाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस?लिए सेबी को कहना पड़ा है कि इन्हें वापस पाना लगभग असंभव सा लग रहा है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी को मार्च 2024 तक 76,293 करोड़ रुपये की ऐसी रकम मिली है, जिसे वसूलना बेहद मुश्किल हो रहा है। ये रकम पिछले साल के मुकाबले 4 फीसदी ज्यादा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा उन मामलों से जुड़ा है, जिनकी सुनवाई अदालतों में चल रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसे कुल 807 मामले हैं, जिनमें से 36 मामले राज्य स्तरीय अदालतों, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में लंबित हैं। इन मामलों में अटकी हुई रा?शि लगभग 12,199 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 60 मामले अदालत द्वारा नियुक्त समितियों के पास हैं, जिनमें करीब 59,970 करोड़ रुपये अटके हुए हैं। साथ ही लगभग 140 मामले ऐसे हैं, जिनमें संबंधित लोगों का पता ही नहीं चल पा रहा है। इनमें से 131 व्यक्तिगत मामले हैं और 9 कंपनियों से जुड़े हैं। सेबी ने कहा कि अब तक कुल 6,781 रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, जिनमें से 3,871 अभी भी लंबित हैं। कुल मिलाकर सेबी को करीब एक लाख करोड़ रुपये वसूल करने हैं। इसमें जुर्माना न भरने वाली कंपनियों के साथ-साथ उन निवेशकों का पैसा भी शामिल है, जिन्हें पैसा वापस मिलना था। पीएसीएल और सहारा इंडिया के मामलों में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों के ?विरुद्ध ?निवेश योजना से जुड़े मामले हैं, जिनमें करीब 63,206 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

2500 से 3500 रुपये क्विंटल तक पहुंचे प्याज के दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले की प्याज मंडी में इस समय प्याज के दाम 2500 रुपये से लेकर 3500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं, जो कि पिछले साल के मुकाबले एक बड़ी वृद्धि है। आंध्र प्रदेश में खुले बाजार में प्याज 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि सरकारी रायतू बाजार में प्याज की कीमत 42 से 45 रुपये प्रति किलो के बीच है। इस साल प्याज की कीमतों में वृद्धि पहले ही शुरू हो चुकी है। इस स्थिति का एक बड़ा कारण महाराष्ट्र में प्याज की फसल की खराबी है। बेमौसम बारिश ने महाराष्ट्र की प्याज फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। त्योहारों जैसे रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के पहले प्याज की कीमतें इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं। कुर्नूल के किसानों के चेहरे पर इन दिनों खुशी की चमक है क्योंकि पिछले साल इसी मंडी में प्याज का भाव मुश्किल से 500 रुपये से 1000 रुपये प्रति क्विंटल था। तब किसानों को अपनी उपज की लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था और उन्होंने विरोध स्वरूप अपनी प्याज फेंक दी थी। इस बार प्याज के दाम में वृद्धि से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि त्योहारी सीजन में मांग और बढ़ेगी जिससे प्याज

मलेशियाई कंपनियों को भारत में तेल, गैस में निवेश का न्योता

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित भारत-मलयेशिया सीईओ फोरम की बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने हाल ही में बैठक में ऐसे कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जहां दोनों देश अधिक गहराई से सहयोग कर सकते हैं, जिससे उनके व्यापार और व्यावसायिक संबंधों का विस्तार हो सकता है। फोरम ने दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं को आपसी अवसरों का पता लगाने और विकास को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए कए मंच प्रदान किया। गोयल ने भारत और मलयेशिया में व्यवसायों के बीच अधिक तालमेल की संभावना पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, पर्यटन, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स और स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में, उन्होंने दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए इन क्षेत्रों में दोनों देशों की ओर से संयुक्त प्रयास किए जाने के महत्व पर जोर दिया।

हिलेरी क्लिंटन ने कमला को दूरदर्शी....ट्रंप को भगौड़ा बता दिया

शिकागो (ईएमएस)। शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन चल रहा है। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन अपनी पार्टी से राष्ट्रपति के दावेदार कमला हैरिस का खुलकर समर्थन किया। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को बख्शने की की मूड में नहीं दिखी है। जहां, कमला को उन्होंने दूरदर्शी बताया वहीं ट्रंप को भगौड़ा बता दिया है। वहीं, राष्ट्रपति जो बाइडन ने कन्वेंशन को संबोधित किया और लोगों से कमला हैरिस और टिम वाल्ज को जिताने की अपील की। 50000 लोगों की भीड़ उन्होंने कहा कि 'आजादी,' 'लोकतंत्र,' और 'अमेरिका' के लिए कमला और टीम जिताएं।

पूर्व विदेश मंत्री और प्रथम महिला रह चुकीं हिलेरी क्लिंटन ने हैरिस के तारीफों के जमकर कसीदे गढ़े। उन्होंने इतना तक कह दिया कि कमला के पास अमेरिका को आगे ले जाने के लिए चरित्र, अनुभव और दूरदृष्टि है। क्लिंटन ने देशभर के हजारों डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं और सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा बताया कि हमदोनों (कमला और क्लिंटन) ने साथ में वकालत शुरू की थी। मैं उनकी ईमानदारी को जानती हूं।

क्लिंटन ने राष्ट्रपति चुनावों के लिए कमला को डेमोक्रेट का उम्मीदवार बनाने के लिए देश भर से हजारों डेमोक्रेटिक नेताओं और सदस्यों का धन्यवाद किया। गौरतलब है कि 76 क्लिंटन ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था। डोनाल्ड ट्रंप से उन्हें हार मिली थी। 'मैं उनके दिल और उनकी ईमानदारी को जानती हूं। हम दोनों ने वकालत के दिनों में उन बच्चों की मदद करना शुरू किया, जिनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा था या जिनकी उपेक्षा की जा रही था। इस तरह का काम आपको बदल देता है। वे बच्चे हमेशा के लिए आपके दिलों-दिमाग में बस जाते हैं। कमला हर उन बच्चों की उम्मीद हैं, जिनकी उन्होंने रक्षा की। हर उस परिवार की मदद की, हर उस समुदाय की सेवा की।

'वे हार्ड वर्किंग फैमली की दैनिक खर्च कम करने के लिए दिन-रात एक कर देंगी। वह हर अमेरिकियों के लिए हाई पेड वाली नौकरियों के नए दरवाजें खोलेंगी। और, हां, वह पूरे देश में गर्भपात के अधिकारों को बहाल करेंगी।

'हमारा संविधान कहता है कि राष्ट्रपति का काम 'कानूनों को ईमानदारी से पालन कराना होता है' आप ध्यान रखना कि आपके किसके साथ हैं, बस बता दूं कि कमला को उन सभी बच्चों, परिवारों और अमेरिका की परवाह है, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को केवल अपनी।

ऑक्सफोर्ड यूनिव र्सिटी के चांसलर का चुनाव लड़ेंगे इमरान खान

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान की जेल में एक साल से बंद इमरान खान ने ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में चांसलर बनने के लिए आवेदन दे दिया है। इमरान के सलाहकार सैयद जुल्फिकार बुखारी ने सोशल मीडिया पर इस बारे में जानकारी दी।

बुखारी ने कहा कि इमरान चुनाव लडऩे के लिए तैयार हो गए हैं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी चांसलर इलेक्शन 2024 का आवेदन फॉर्म जमा कर दिया है। ये चुनाव 28 अक्टूबर को होगा। ऑक्सफोर्ड के 800 सालों के इतिहास में पहली बार चांसलर चुनाव के लिए ऑनलाइन मतदान होगा। बुखारी ने कहा कि अगर वह चांसलर बनते हैं, तो वह एशियाई मूल के पहले व्यक्ति होंगे। यह सिर्फ पाकिस्तान के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया और बाकी दुनिया के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

एक-दो नहीं.......पूरे 15 मामले दर्ज हुए हसीना के खिलाफ

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश छोड़ चुकीं शेख हसीना की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ हत्या के दो नए मामले दर्ज किए गए हैं। हसीना के साथ-साथ उनकी सरकार के पूर्व मंत्रियों के खिलाफ भी मामला दर्ज है। हसीना के खिलाफ दर्ज मामलों की सीरीज में यह ताजा मामला है।

खबर के अनुसार, मीरपुर इलाके में लिटन हसन लालू उर्फ हसन और शेर-ए-बांग्ला नगर इलाके में तारिक हुसैन की हत्या के लिए हसीना के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। लिटन के भाई ने ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मेंहदी हसन की अदालत में हसीना, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) अब्दुल्ला अल मामून और अन्य सहित 148 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले के दस्तावेजों के अनुसार, लिटन चार अगस्त को मीरपुर इलाके में छात्र आंदोलन के तहत एक शांतिपूर्ण जुलूस में शामिल हुआ था। दोपहर करीब दो बजे हसीना की अवामी लीग पार्टी के लोगों ने जुलूस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे हसन घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। इस बीच, तारिक की मां फिदुशी खातून ने हसीना, पूर्व सड़क, परिवहन एवं पुल मंत्री ओबैदुल कादर, पूर्व गृह मंत्री कमाल, पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री मोहम्मद अली अराफात सहित 13 लोगों के खिलाफ एक और मामला दर्ज कराया।

तारिक को पांच अगस्त को थाने के सामने अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी थी और नौ अगस्त को उसकी मौत हो गई। इसके बाद हसीना के पद से हटने के बाद उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर पंद्रह हो गई है। खबर के अनुसार, रविवार देर रात मोहम्मद मिलन की पत्नी शहनाज बेगम ने एक और हत्या का मामला दर्ज कराया। मिलन की 21 जुलाई को मछली बाजार से घर लौटते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में हसीना, पूर्व सड़क परिवहन और पुल मंत्री कादर, पूर्व विधायक शमीम उस्मान और पूर्व गृह मंत्री खान सहित 62 लोगों को आरोपी बनाया गया है। खबर के मुताबिक, हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग और उसके सहयोगी संगठनों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने आग्नेयास्त्रों और लाठियों से लैस होकर छात्र आंदोलन में व्यवधान डालने के लिए ढाका-चटगांव राजमार्ग पर यातायात में बाधा उत्पन्न की थी।

हवाई यात्रा करना अब और भी हुआ महंगा!

नई दिल्ली (ईएमएस)। आगामी त्योहार में अब हवाई यात्रा करना और भी महंगा हो जाएगा। बताया जा रहा है ?कि हवाई यात्रा के किराए में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और दिवाली के लिए प्रमुख घरेलू मार्गों पर औसत एकतरफा टिकट की कीमत 10-15 प्रतिशत बढ़ चुकी है। दूसरी ओर ओणम के दौरान केरल के शहरों के लिए कुछ उड़ानों का किराया 20-25 प्रतिशत अधिक है। जानकारी अनुसार, मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर टिकट की कीमत 21 प्रतिशत बढ़कर 5,162 रुपये और दिल्ली-गोवा और दिल्ली-अहमदाबाद मार्गों पर 19 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 5,999 रुपये और 4,930 रुपये हो गई है। विश्लेषण में यह सामने आया कि कुछ दूसरे मार्गों पर किराया 1-16 प्रतिशत की सीमा में अधिक है। वहीं केरल में आगामी त्योहार के लिए चुनिंदा रूट्स पर हवाई किराए के रुझानों के विश्लेषण से पता चला है कि कुछ रूट्स पर कीमतों में 1 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की सीमा में वृद्धि हुई है। इसी दौरान कुछ मार्गों पर टिकट की कीमतों में लगभग 6-35 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये आंकड़े इस साल 6-15 सितंबर की अवधि के दौरान डिपार्चर के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स के लिए औसत एकतरफा किराया हैं, जबकि 20-29 अगस्त, 2023 की अवधि में ओणम मनाया गया था। इस तुलनात्मक अवधि के लिए हैदराबाद-तिरुवनंतपुरम फ्लाइट के लिए किराए में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 4,102 रुपये है। मुंबई-कालीकट फ्लाइट के लिए भी इसी तरह की वृद्धि हुई है, जो 4,448 रुपये है।

रूस में 92 ठिकानों पर है यूक्रेन का नियंत्रणः ज़ेलेंस्की

- यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा रूसी क्षेत्र पर कर लिया है कब्ज़ा

कीव (ईएमएस)। राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी सेना ने पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 92 बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने कहा ?कि हमारे देश के सुमी क्षेत्र के ठीक सामने रूसी सीमा क्षेत्र को रूस की सेना से लगभग पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना कुर्स्क क्षेत्र में कई जगहों पर अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। पिछले हफ़्ते यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने कहा था कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन का अभियान दोनों देशों के बीच संभावित शांति वार्ता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने में दिलचस्पी नहीं रखता। हालांकि, इसके जवाब में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस की सीमा पर यूक्रेन के हमलों का उचित जवाब दिया जाएगा। रूसी सेना का पहला काम कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को हटाना है। यूक्रेन ने 6 अगस्त को कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियान शुरू किया था। 15 अगस्त को यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि उनकी सेना ने इस क्षेत्र में 82 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस के सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र पर हमले के बाद यूक्रेन के साथ बातचीत संभव नहीं है। स्थानीय मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा ?कि राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुर्स्क क्षेत्र पर हमलों के बाद बातचीत असंभव है। इस बीच उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि दोनों देशों ने किसी तीसरे देश से मध्यस्थता के लिए संपर्क किया है और इसे कोरी अफवाह बताया। लावरोव ने यह भी संकेत दिया कि स्विट्जरलैंड में यूक्रेन पर सम्मेलन की पूरी प्रक्रिया रूस के लिए अस्वीकार्य है क्योंकि यह ज़ेलेंस्की के फॉर्मूले को बढ़ावा देने के बारे में है।

अफगानिस्तान में 90 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी में गुजार रहे दिन-तालिबानी सरकार को मान्यता नहीं मिलने से फंड किए जा रहे निरस्त

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार बनने के बाद से वहां की स्थिति दिन ब दिन बिड़ती जा रही है। वहां 90 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी की मार झेल रहे हैं। तालिबान के डर से महिलाएं घरों पर रहने को मजबूर हैं। तालिबान सरकार भी परेशानी में है। चरमपंथ की वजह से उसे कोई भी देश तालिनानी सरकार को मान्यता देने को तैयार नहीं है। पश्तो में छात्रों को तालिबान कहते हैं। 90 के दशक में जब रूस, अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी कर रहा था, तब ये संगठन उभरा। इसकी शुरुआत धार्मिक संस्थानों में हुई। 1996 में इस संगठन ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर कब्जा कर लिया। यहां से देश पर चमरपंथी ताकतें राज करने लगीं। वे महिलाओं को पर्दे में रहने और पुरुषों के बगैर घर से न निकलने का आदेश देती थीं। इस्लामिक कानून इतनी कट्टरता से लागू किया कि संगीत पर भी बैन लगा दिया गया।

कट्टरता के चलते तालिबान को आतंकी संगठन का दर्जा दिया जाने लगा क्योंकि वे दूसरे देशों की सीमाओं तक भी अपनी कट्टरता पहुंचा रहे थे। अफगानिस्तान पर तालिबानी राज के दौर में केवल तीन देशों ने उसे मान्यता दी थी। सऊदी अरब, यूएई और पाकिस्तान। ये तीनों ही मुस्लिम बहुल देश हैं। अक्टूबर 2001 से लेकर दिसंबर के बीच अमेरिकी सेनाओं ने तालिबान को करीब करीब खत्म कर दिया था, लेकिन अंदर ही अंदर चिंगारी सुलगती रही। नतीजा बीस साल बाद इस गुट ने फिर काबुल में वापसी की। इस बार उसने अफगानिस्तान में चुनी हुई सरकार को गिरा दिया। इस माह तालिबानी राज को तीन साल हो चुके लेकिन कई देश इस संगठन को राजनैतिक मान्यता देने को राजी नहीं हैं।

मानवाधिकार, खासकर महिलाओं और बच्चियों पर हिंसा के बढ़ते मामलों के बीच दुनिया भर के देशों ने अफगानिस्तान में अपने दूतावास बंद दिए साथ ही तालिबान को देश के नेचुरल रूलर के तौर पर मान्यता देने से भी मना कर दिया। तालिबान को मान्यता न मिलने का खामियाजा उसे ही नहीं, बल्कि पूरे देश को भुगतना पड़ रहा है। उसे वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड से तब तक कोई मदद नहीं मिलेगी, जब तक कि आधिकारिक दर्जा नहीं मिल जाता। आईएमएफ ने अफगानिस्ता के लिए सारे फंड निरस्त कर दिए हैं। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश अफगानिस्तान को सबसे ज्यादा लोन दे रहे थे। उसपर भी रोक लगा दी गई है।

तालिबानी के चरमपंथ के बावजूद कई देश काबुल से अपने डिप्लोमेटिक रिश्ते बना रहे हैं। इस साल अप्रैल में रूस ने मॉस्को स्थित अफगान एंबेसी तालिबानियों को सौंप दी। इसके अगले ही माह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तालिबान को आतंकी समूहों की लिस्ट से हटाने की बात करते हुए कहा कि मॉस्को को तालिबान से अच्छे संबंध रखने चाहिए। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तालिबानी अधिकारी को अफगान के राजदूत के तौर पर मान्यता दे दी। हालांकि बीजिंग ने अब तक तालिबान को अफगानिस्तान की वैध सरकार नहीं कहा है, लेकिन ये जरूर कह कि तालिबान को इंटरनेशनल कम्युनिटी से काटा नहीं जाना चाहिए। इनके अलावा पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान और खाड़ी देशों ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। वे इसे आर्थिक मदद भी करते हैं। यह साफ नहीं हो सका कि क्या इन सारे देशों ने आधिकारिक तौर पर इससे डिप्लोमेटिक संबंध भी बना रखे हैं।

अवैध ट्रकों को हटाने की मांग, बेजुबान जानवर को मारने की बात कर रहे हॉस्टल के दो छात्रों को बदमाशों ने बेल्ट से पीटा

वड़ोदरा ,20 अगस्त

वड़ोदरा के फतेगंज इलाके में देर रात चाय की लॉरी पर एक मूक जानवर की हत्या को लेकर टोक्टा हॉस्टल में पढ़ने वाली दो छात्रों पर धार्मिक लोगों ने पट्टे से हमला कर दिया। देर रात तक अवैध रूप से चल रही चाय की लॉरियां और पूरे मामले को नगर पालिका और पुलिस तंत्र के समक्ष कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है.

महानगर के नाम से मशहूर शहर के फतेगंज इलाके में देर रात तक गुलजार रहने वाली फूड ट्रकों, चाय और पान पड़िकी की लॉरियों पर कई तरह की बुराइयां हावी हैं. भले ही फतेगंज इलाके में छेड़छाड़ और मारपीट जैसी घटनाएं आए दिन होती रहती हैं, लेकिन चर्चा है कि सयाजीगंज पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले पूरे इलाके में उचित सतर्कता नहीं बरती जा रही है. पूरा इलाका यूनिवर्सिटी के आसपास होने के कारण यहां खासकर युवाओं और छात्रों की आवाजाही ज्यादा रहती है। तब पुलिस तंत्र को यहां रहने वाले युवाओं और स्थानीय लोगों के लिए विशेष सतर्कता बरतनी जरूरी है।

फतेगंज में कुछ लॉरियां और रेस्तरां सुबह दो बजे तक गुलजार रहते हैं। रेस्टोरेंट के बाहर बेतरतीब पार्किंग के कारण यहां ट्रैफिक जाम की भी अक्सर समस्या रहती है। लेकिन ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम तंत्र उस दबाव को दूर करने की जहमत नहीं उठा रहा है. इस बीच फतेगंज इलाके में एक बार फिर भयानक हादसे की चर्चा हो रही है. जैसा कि ज्ञात है, हॉस्टल में पढ़ने वाले दो छात्र चाय पीने के लिए फतेगंज इलाके में एक चाय की लॉरी के पास खड़े थे। तब यहां कुछ असामाजिक तत्वों की भीड़ भी देखी गई थी. इसी दौरान यहां खड़े कुछ विधर्मी कुत्तों को पीट रहे थे। तो हॉस्टल में रहने वाले 19 से 20 साल के दो कॉलेज छात्रों ने इसका विरोध किया और बेजुबान जानवर को न मारने की डांट लगाई. तो विधर्मियों की भीड़ में से कुछ युवकों ने दोनों कॉलेज छात्राओं की बेल्ट से पिटाई कर दी. जिसके बाद लड़कियां चिल्लाईं और डर के मारे वहां से भाग गईं. घायल छात्रों ने इसकी जानकारी अपने अभिभावकों को भी दी. लेकिन लड़कियां पुलिस से शिकायत नहीं कर रही हैं क्योंकि उन्होंने आगे कोई कार्रवाई न करने को कहा है.

घटना की गंभीरता को समझते हुए पुलिस को खुद अभियोजक बनना पड़ा या एहतियात के तौर पर ऐसे सिरफिरे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि अगर पुलिस तंत्र इनके खिलाफ ढिलाई बरतेगा तो ऐसे बदमाशों के हौंसले और खुले होंगे और भविष्य में एक और बड़ी घटना को अंजाम देने की स्थिति निर्मित हो जायेगी. पूरे घटनाक्रम को लेकर छात्र नेता रहे विकास दुबे के नेतृत्व में नगर निगम में प्रेजेंटेशन दिया गया है और फतेगंज में देर रात तक खड़ी रहने वाली अवैध लॉरियों पर रोक लगाने की मांग नगर आयुक्त दिलीप राणा के समक्ष की गयी है. महापौर पिंकीबेन सोनी और स्थायी समिति अध्यक्ष डॉ. शीतल मिस्त्री। कल पुलिस आयुक्त के समक्ष एक प्रेजेंटेशन भी दिया जायेगा. अब देखते हैं कि पुलिस तंत्र और नगर निगम तंत्र इस मामले में क्या कर रहा है?

जेरॉक्स दुकान के मैनेजर ने लड़की से की छेड़छाड़, परिवार ने चखा मेथी का स्वाद

वडोदरा,20 अगस्त

वड़ोदरा क्राइमः पता चला है कि वडोदरा शहर के निज़ामपुरा इलाके में ज़ेरॉक्स के मैनेजर द्वारा एक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में परिवार के सदस्यों ने एकजुट होकर दुकान मैनेजर की पिटाई की और उसे पुलिस को सौंप दिया। चर्चा है कि युवती से छेड़छाड़ करने वाला इसम एक भाजपा महिला कार्यकर्ता का रिश्तेदार है।

वडोदरा शहर के निज़ामपुरा इलाके में एक व्यक्ति द्वारा ज़ेरॉक्स की दुकान चलाई जा रही है। इसी दौरान उसके द्वारा एक बच्ची के साथ छेड़छाड़ की जा रही थी. लड़की ने इस मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी. इसलिए वे आज एकत्र हुए और जेरॉक्स दुकान पर पहुंच गए और हंगामा किया और जेरॉक्स मैनेजर की पिटाई कर दी और उसे फतेगंज थाने ले गए और ईसम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चर्चा के मुताबिक जेरॉक्स मैनेजर ईसाम यहां के वार्ड की एक भाजपा महिला कार्यकर्ता का रिश्तेदार है। बताया जा रहा है कि महिला कार्यकर्ता ने निगम चुनाव लड़ा था।

गुजरात में डिवाइडर के दूसरी तरफ जाकर टकराई कार, चार युवकों की मौत

अहमदाबाद,20 अगस्त

गुजरात के गोंडल में एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। गोंडल में नेशनल हाईवे पर एक बेकाबू कार दूसरी कार से टकरा गई। इसमें कुल चार की मौत हो गई। प्रांरभिक जांच में सामने आया है कि एक कार के ऊपर से चालक ने नियंत्रण खो दिया था। इसके चलते हादसा हुआ।

गुजरात में गोंडल में बड़ा सड़क हादसा सामने आया है। राजकोट जिले में गोंडल के पास आज तड़के एक सड़क हादसा हुआ जिसमें एक बोलेरो कार और स्विफ्ट कार के बीच टक्कर हुई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक शख्स ने अस्पताल जाते-जाते दम तोड़ दिया। पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और गाड़ियों के को हाईवे से हटवाया। पुलिस के अनुसार मृतक गोंडल और धोराजी के ही रहने वाले थे।

जानकारी के अनुसार राजकोट के गोंडल के पास मंगलवार सुबह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। राजकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोंडल के पास दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में चार युवकों की जान चली गई। जिसमें तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस और 108 की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। शुरूआती जांच में सामने आया है कि राजकोट से धोराजी जा रही एक कार के ड्राइवर ने राजकोट नेशनल हाईवे पर गोंडल के पास अचानक स्टीयरिंग से नियंत्रण खो दिया। सामने से आ रही कार से टकरा गई।

दोनों कारों के बीच टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कारों के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में 3 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को अब पीएम के लिए गोंडल सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। इस हादसे के बाद मृतक युवकों के परिवारों में मातम है।

वडोदरा के घर्रावाड़ी में लॉरी पार्क करने को लेकर युवक पर हमलाः चार लोगों की पिटाई की शिकायत

वडोदरा,20 अगस्त

वडोदरा के घर्रावाड़ी इलाके में लॉरी की पार्किंग को लेकर लड़की के साथ उसके जीजा समेत चार लोगों ने झगड़ा किया। तभी वे लोग एकजुट हो गये और मारपीट कर ईंटों से हमला कर दिया. इसलिए लड़की ने अपने प्रेमी समेत चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है.

वडोदरा शहर के झर्रावाड़ी सीवेज पंपिंग रोड पर स्थित विश्वकर्मा नगर में रहने वाली रेशमाबेन अर्जुनभाई उर्फ जिगो ईश्वरभाई चुनारा ने शिकायत दर्ज कराई कि मैं आज शाम करीब साढ़े छह बजे अपने घर पर मौजूद थी। उस समय, मेरे पति, जिनका नाम अर्जुन चुनारा है, लॉरी पार्क करने को लेकर हमारे घर के सामने रहने वाले मेरे जीजाजी, जिनका नाम सचिन रावजीभाई चुनारा है, से झगड़ा कर रहे थे। इसलिए मैं उन्हें यह कहते हुए अपने पति से झगड़ा न करने के लिए कहने जा रही थी कि मेरी बहन की पत्नी का नाम पिंकीबेन चुनारा है और उनके दामाद का नाम शिवम रविभाई युनारा है, शिवम का भाई कबीर रविभाई चुनारा भी हमारे पड़ोस में अपने चाचा के घर आए थे। रक्षाबंधन त्योहार के लिए वे दोनों भाई मेरे पास सचिन चुनारा लेकर आए और मुझसे और मेरे पति से झगड़ा करने लगे और गंदे गंदे शब्द कहने लगे। जब मेरी बहन पुनमभाई दीपकभाई चुनारा और उनका बेटा विवेक पुनम उर्फ भोली चुनारा समझाने आए तो मेरी बहन पिंकीबेन चुनारा और उनके पति सचिन चुनारा और उनके दामाद शिवम चुनारा और कबीर चुनारा ने झगड़ा किया और ईंट का टुकड़ा मारा। तभी मेरे बड़े बेटे विवेक चुनारा के निचले होंठ और दाहिने हाथ के कंधे पर और दाहिने हाथ की पहली उंगली पर चोट लग गई। साथ ही उन सभी ने गद्दा पातू से मारपीट की और मेरे पति अर्जुन उर्फ जिगो चुनारा घायल हो गये.

राजीव गांधी की जयंती पर देश के लिए उनके योगदान को गुजरात कांग्रेस ने याद किया

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय राजीव गांधी भवन में 21वीं सदी के दूरदृष्टा, भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर गुजरात कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ताओं ने पुष्पाजंलि दीं पुष्पांजलि कार्यक्रम में आधुनिक भारत के विचार को स्थापित करने वाले युवा प्रधानमंत्री के उत्कृष्ट सार्वजनिक कार्यों को याद करते हुए राज्यसभा सांसद एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि योगदान आधुनिक देश के निर्माण और भारत को वैश्विक मंच पर ले जाने के सपने को साकार करने में युवाओं की शिक्षा, प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र में अहम भूमिका निभाने वाले राजीव गांधी की नीतियों से भारतीयों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन आए हैं। युवाओं के हाथों में मोबाइल, अंतरिक्ष में तैरते उपग्रह और ग्राम पंचायतों पर महिलाओं का राज, ये सब राजीव गांधी की दूरंदेशी नीतियों की देन है। भारतीय राजनीति में मिस्टर क्लीन की छवि रखने वाले राजीव गांधी को बदनाम करने के लिए तथाकथित बोफोर्स घोटाला समेत कई हथकंडे अपनाए गए, लेकिन कारगिल युद्ध की जीत के बाद सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दिए इंटरव्यू में भारत की जीत बताई युद्ध में शीर्ष का श्रेय बोफोर्स को दिया गया। आज का दिन दर्शाता है कि राजीव गांधी ने देश की रक्षा से लेकर शिक्षा तक सदैव कर्तव्य-निष्ठा के साथ देशहित को सर्वोपरि रखा। रोजगारोन्मुख शिक्षा एवं प्रशिक्षण नीति ने जवाहर नवोदय विद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय जैसे विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो आज विश्व प्रसिद्ध शैक्षणिक केंद्र बन गए हैं। देश के समग्र विकास के लिए राजीव गांधी की दूरदर्शिता ने देश की संसद में अभूतपूर्व बदलाव लाए जिससे देश दुनिया की महाशक्तियों के बराबर खड़ा हो गया जिसका लाभ आज भी देश के आम नागरिकों को हो रहा है। अहमदाबाद स्थित गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर गुजरात विधानसभा कांग्रेस पार्टी के उपनेता शैलेश परमार, अहमदाबाद शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हिम्मतसिंह पटेल, पूर्व राज्यसभा सांसद अमीबेन याग्निक, मुख्य प्रवक्ता मनीष दोषी, एआईसीसी मंत्री नीलेश पटेल, प्रदेश महासचिव बलदेव लूनी, प्रदेश मीडिया सह-संयोजक और प्रवक्ता हेमांग रावल, प्रदेश प्रवक्ता हिरेन बैंकर, रत्नाबेन वोरा,जगदीश राठौड़, दंडक जगदीश राठौड़, राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी और उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

हिट एंड रन की घटना में दो भाइयों की मौत, हादसे के साथ कार ड्राइवर फरार

दाहोद (ईएमएस) भाई-बहन के पर्व रक्षाबंधन पर दो सगे भाइयों की हादसे में मौत हो गई। दाहोद में कार और बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई है। हादसा होने पर चालक मौके से भाग गया। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने फरार अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश कर रही है। जब पूरा गुजरात समेत पूरा देश रक्षाबंधन मना रहा था तभी दाहोद में एक परिवार में मातम छा गया। दाहोद के वरोड टोलनाका के पास कार और बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो भाई गिरकर घायल हो गए और कार भी पलट गई। गंभीर चोट लगने से बाइक सवार दोनों चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर वहां से भाग गया। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय पुलिस को सूचना देने के बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने फरार अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश कर रही है।

गुजरात जीएसआरटीसी बसों और स्टेशनों का कायाकल्प, नई 2800 बसें जनता की सेवा में लगाईं

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात एसटी बसों का कायाकल्प हुआ है। पिछले डेढ़ वर्ष में गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) द्वारा यात्रियों की सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए 166 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नई बसें शुरू की गई हैं तथा नए बस स्टेशनों/डिपो का भी लोकार्पण किया गया है। उल्लेखनीय है कि एक समय गुजरात एसटी निगम की आर्थिक हालत बुरे दौर से गुजर रही थी, परंतु देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री पद ग्रहण करते ही राज्य के सार्वजनिक निगमों के कायाकल्प का अभियान छेड़ा था। इस अभियान में एसटी निगम भी शामिल था। इसके फलस्वरूप आज जीएसआरटीसी राज्य में नई बसों को जोड़ने तथा नए बस स्टेशनों, नए डिपो-वर्कशॉप के विकास के साथ राज्य के लाखों यात्रियों को यात्रा की उत्तम सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। गुजरात एसटी निगम पुरानी बसों के स्थान पर नई व आधुनिक बसों के अतिरिक्त यात्रियों को इलेक्ट्रिक बसों की सुविधा भी प्रदान कर रहा है, जिसके जरिये निगम गुजरात के ग्रीन रिवॉल्यूशन में भी योगदान दे रहा है। इसके साथ ही; निगम द्वारा हाल ही में शुरू की गई डबल डेकर बसें राज्य के सार्वजनिक परिवहन क्षक्षेत्र, निगम एवं राज्य सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ा रही हैं।

गुजरात सरकार तथा एसटी निगम; दोनों साथ मिल कर राज्य में एसटी बस सेवा में लगातार सुधार कर रहे हैं। राज्य सरकार के प्रोत्साहन के साथ निगम द्वारा 166 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्य शुरू किए गए हैं। इनमें नई बसों का लोकार्पण, नए बस स्टेशनों तथा डिपो-वर्कशॉप का लोकार्पण और शिलान्यास शामिल हैं। जीएसआरटीसी द्वारा दिसम्बर 2022 से मई 2024 तक यानी पिछले डेढ़ वर्ष में कुल 2800 नई बसें यात्रियों की सेवा में जोड़ी गई हैं, तो 18 नए बस अड्डों / डिपो का लोकार्पण तथा 20 नए बस अड्डों / डिपो का शिलान्यास किया गया है। इसके अलावा; राज्य सरकार व एसटी निगम ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के आधार पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त भुज तथा भरूच बस अड्डों का लोकार्पण किया है। निगम द्वारा गांधीनगर-अहमदाबाद के बीच 55 आइकॉनिक एसटी डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें संचालन में जोड़ी गई हैं, जो यात्रियों के आकर्षण व सुविधा का केन्द्र बनी हैं। इसके साथ ही; निगम द्वारा 10 हजार से अधिक ड्राइवरों, कंडक्टरों, मैकेनिकल व प्रशासनिक स्टाफ की भर्ती की जाएगी, जिसे मंजूरी दे दी गई है।

गुजरात राज्य एसटी निगम ने डेढ़ वर्ष में कुल 2986 नए वाहनों का लोकार्पण किया है। इनमें राज्य स्तर पर 854, गांधीनगर में 417, जामनगर में 151, पालनपुर में 70, नवसारी में 125, वडोदरा में 474, सूरतमें 111, शंखेश्वर में 15, राणिप (अहमदाबाद) में 47, लूणावाडा तथा क्वांट में 50, गिफ्ट सिटी (गांधीनगर) में 2, सोनगढ में 51, विधानसभा / सचिवालय (गांधीनगर) में 70, कलोल में 25, नडाबेट में 100 तथा जीएमडीसी (अहमदाबाद) में 301 वाहन शामिल हैं।

राज्य सरकार द्वारा आवंटित 54 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 16 स्थानों पर नवनिर्मित बबस स्टेशनों का लोकार्पण किया गया है। इनमें सुरेन्द्रनगर, मोरबी (नया), धानपुर, डेसर, लीमखेडा, महुवा, राजकोट सैटेलाइट, वसो, चकलासी, क्वांट, सोनगढ, आटकोट, भरूच (भोलाव रोड), कामरेज, थानगढ, वाँकानेर तथा हळवद बस स्टेशन शामिल हैं। इसी प्रकार; 28 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पीपीपी आधार पर नवनिर्मित भरूच एवं भुज बस स्टेशनों का भी लोकार्पण किया गया है। 5 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक की लागत से लूणावाडा व द्वारका में नवनिर्मित डिपो/वर्कशॉप का लोकार्पण किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा आवंटित फंड के अंतर्गत निगम 12 स्थानों पर 43 करोड़ रुपए से अधिक के खर्च से नए बस स्टेशनों का निर्माण करेगा। इन सभी कार्यों का शिलान्यास हो चुका है। जिन स्थानों पर ये नए बस स्टेशन बनने वाले हैं; उनमें जोटाणा, शंखेश्वर, सरस्वती, राणपुर, वीरपुर, आमोद, सुईगाम, लोधिका, कुकरवाडा, लाडोल, उमरगाम तथा जामनगर शामिल हैं। इसी प्रकार राज्य के 8 स्थानों पर 34 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से तैयार होने वाले नए डिपो/वर्कशॉप का शिलान्यास किया गया है। इनमें संतरामपुर, उधना, हारिज, पालनपुर, जामजोधपुर, तलोद, वीजापुर एवं बोडेली का समावेश होता है।

आज से फिर गुजरात में बरसेंगे मेघा, कई जिलों में होगी भारी बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस) करीब एक सप्ताह के विराम के बाद गुजरात में फिर एक बार झमाझम का बारिश की मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है। खासकर उत्तर और दक्षिण गुजरात में बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण गुजरात के नवसारी और वलसाड जिलों में कल भारी बारिश की संभावना है। 25 अगस्त को साबरकांठा और अरवल्ली जिलों में भारी बारिश का अनुमान है। जबकि 26 अगस्त को भावनगर, सूरत और भरूच में भारी बारिश हो सकती है। बता दें कि गुजरात में अब तक सीजन की 73 फीसदी बारिश हो चुकी है, इसके बावजूद गुजरात को भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं मिली। मौसम विभाग के मुताबिक हवा की दिशा में बदलाव के कारण गर्मी बढ़ी है। मौसम विभाग ने कल राज्य में भारी बारिश की संभावना जताई है। पूर्वानुमान के मुताबिक वलसाड, नवसारी, दमन और दादरानगर हवेली में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने सौराष्ट्र के कई जिलों में बारिश की भी संभावना जताई है। सात दिनों के बाद उत्तर और मध्य गुजरात में अच्छी बारिश का अनुमान है। इस बीच आज सुबह से ही राज्य के कई जिलों में बारिश हो रही है। दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी में बारिश होने की खबर है। सौराष्ट्र के भावनगर, बोटाद और अमरेली में बारिश हुई है। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों तक गुजरात में बारिश की भविष्यवाणी की है। पूर्वानुमान के मुताबिक, गुजरात में अगले सात दिनों तक राज्य के सभी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

हाई स्पीड रेलवे प्रोजेक्ट के 7 लाख के सामान चोरी का मामला खुला, कुख्यात स्क्रैप कारोबारी पकड़ा गया

वड़ोदरा ,20 अगस्त

पुलिस ने अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेलवे प्रोजेक्ट से कीमती सामान की चोरी की गुत्थी सुलझाने में सफलता हासिल की है. पुलिस ने न्यूयार्ड से स्क्रैप कारोबारी को सात लाख के माल के साथ पकड़ा है।

वडोदरा में चल रही हाई स्पीड रेलवे परियोजना की साइट से 7 लाख रुपये से अधिक के विभिन्न उपकरणों की चोरी की जानकारी के बाद फतेगंज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई थी।

वडोदरा क्राइम ब्रांच ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य स्त्रोतों की मदद से घटना की जांच की तो पता चला कि चोरी नवा यार्ड क्षेत्र के स्क्रैप डीलर अहमद खान गुलाम खान पठान (गरीब नवाज नगर, नवा यार्ड) ने की थी और चोरी का माल छिपाकर रखा गया था। उसकी दुकान में.

क्राइम ब्रांच की टीम जब स्क्रैप कारोबारी को पकड़ने गई तो भागने की कोशिश में उसकी घेराबंदी कर ली गई। पुलिस ने दुकान से रेलवे प्रोजेक्ट का 7 लाख का माल जब्त कर आगे की पूछताछ की.

सूरत नगर पालिका में चिराग तले अंधेरा, लोगों को घर की मरम्मत के लिए नोटिस और जहांगीरपुरा आवास की आंगनवाड़ी की दयनीय स्थिति

सूरत,20 अगस्त

शिकायत सामने आई है कि सूरत नगर पालिका के रांदेर जोन के जहांगीरपुरा में आंगनवाड़ी की हालत दयनीय है। जहांगीरपुरा आवास में आंगन से पानी टपकता है और पंखा तक बंद है। जहां गरीब बच्चे और गर्भवती महिलाएं-दाइयां आती हैं, वहां वायरिंग जली होती है और दुर्घटना की आशंका रहती है। यदि नगर पालिका ने तत्काल कार्रवाई नहीं की तो लोगों की जान को खतरा है।

लोगों की संपत्ति में है खराबी

सूरत नगर पालिका की कुछ संपत्तियां जर्जर होने के साथ ही हादसों का कारण बन रही हैं। सूरत नगर पालिका के रांदेर जोन में जहांगीरपुरा में साई विला के सामने नगर पालिका की आंगनवाड़ी स्थित है। इसकी छत से पानी टपक रहा है. इसके अलावा स्लैब से बिजली की वायरिंग भी जल गई है। आंगनवाड़ी में पंखे भी नहीं चल रहे हैं. यहां गरीब बच्चों को पढ़ाया जाता है. इसके अलावा गर्भवती व धात्री बहनें आंगनवाड़ी में आकर कैसे बैठती हैं। ऐसे में हादसे का डर बना रहता है। इसलिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है।

इकलौते भाई के मृतदेह पर राखी बांध बहनों ने दी अंतिम बिदाई

राजकोट (ईएमएस) रक्षाबंधन के मौके पर अपने इकलौते भाई को गंवाने वाली बहनों ने उसके मृतदेह पर राखी बांधकर अंतिम बिदाई दी। भाई को लंबी आयु की कामना के साथ राखी बांधने वाली बहनों ने जब उसके मृतदेह को राखी बांधी तब वहां मौजूद सभी की आंखें छलक आईं। बता दें कि गोंडल के निजी होस्टेल में रहकर कक्षा 12वीं की पढ़ाई कर रहे एक किशोर की मौत हो गई थी। रक्षाबंधन के दिन उसकी मौत की खबर सुनकर परिवार पर मानों आसमान टूट पड़ा। मृतक किशोर अपनी तीन बहनों का इकलौता भाई था। रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांध उसे लंबी आयु का आशीर्वाद देना चाहती थीं, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। जानकारी मुताबिक राजकोट जिले में गोंडल के एक निजी स्कूल के छात्रावास के गैरजिम्मेदार प्रबंधन की लापरवाही से एक ब्राह्मण परिवार का चिराग बुझ गया। बहनों को अपने इकलौते प्यारे भाई को राखी बांधकर लंबी उम्र की कामना करने के बजाय आंखों में आंसू लेकर विदा करना पड़ा। गोंडल में एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के लापरवाह प्रशासन के कारण एक परिवार ने अपना बेटा खो दिया। गोंडल के ढोलकिया हॉस्टल में रहने वाले 12वीं क्लास के श्याम पाठक नामक एक छात्र की मौत हो गई है। 4 दिन तक बीमार रहने के बावजूद छात्र के परिवार को सूचना नहीं दी गई। रक्षाबंधन के दिन 2 बहनों ने एक भाई को खो दिया। परिजनों का आरोप है कि हॉस्टल की लापरवाही से श्याम की मौत हुई है।

22 के बजाए 29 अगस्त को ‘स्वागत’ ऑनलाइ कार्यक्रम, विधानसभा सत्र के कारण बदला समय

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के आगामी सत्र को ध्यान में रखते हुए 22 अगस्त को आयोजित होने वाला मुख्यमंत्री का ‘स्वागत’ ऑनलाइन कार्यक्रम अब 29 अगस्त को आयोजित होगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय ‘स्वागत’ (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम अगले गुरुवार, 22 अगस्त को आयोजित नहीं होगा। गुजरात विधानसभा के आगामी तीन दिवसीय सत्र को ध्यान में रखते हुए 22 अगस्त को आयोजित होने वाला यह राज्य स्तरीय ‘स्वागत’ ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम अगस्त महीने के पांचवें गुरुवार यानी 29 अगस्त, 2024 को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री की जन संपर्क इकाई ने सभी संबंधित लोगों से राज्य स्तरीय ‘स्वागत’ के आयोजन में हुए इस परिवर्तन पर ध्यान देने का अनुरोध किया है।

अहमदाबाद मण्डल से चलने वाली 4 जोड़ी स्पे शल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा तथा उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर अहमदाबाद मण्डल से चलने वाली 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्ताशरित किए गए हैं। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः-

1.ट्रेन संख्याी 09415 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम स्पेशल जिसे पहले 25 जुलाई,2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 3 अक्टूबर से 26 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्यास 09416 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल जिसे पहले 25 जुलाई,2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 3 अक्टूबर से 26 दिसंबर, तक बढ़ा दिया गया है।

2. ट्रेन संख्या3 09493/09494 अहमदाबाद-पटना (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09493 अहमदाबाद - पटना स्पेशल जिसे पहले 25 अगस्त, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 1 सितंबर से 29 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09494 पटना-अहमदाबाद स्पेशल जिसे पहले 27 अगस्त, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 3 सितंबर से 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

3. ट्रेन संख्यार 09417/09418 अहमदाबाद-दानापुर (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या3 09417 अहमदाबाद - दानापुर स्पेशल जिसे पहले 30 सितंबर, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 7 अक्टूबर से 30 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09418 दानापुर - अहमदाबाद स्पेशल जिसे पहले 1 अक्टूबर, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 8 अक्टूबर से 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

4. ट्रेन संख्यार 09405/09406 साबरमती-पटना (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या3 09405 साबरमती-पटना स्पेशल जिसे पहले 24 सितंबर 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्याध 09406 पटना - साबरमती स्पेशल जिसे पहले 26 सितंबर, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 3 अक्टूबर से 2 जनवरी, 2025 तक बढ़ा दिया गया है।

उपर्युक्त ट्रेनों के विस्तारित फेरों की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है।

वींछिया तहसील पंचायत पर फिर लहराया भाजपा का भगवा

राजकोट (ईएमएस) सौराष्ट्र की एक और तहसील पंचायत पर भाजपा का कब्जा हो गया। राजकोट जिले की वींछिया तहसी पंचायत के प्रमुख और उप प्रमुख के चुनाव में भाजपा सदस्य निर्विरोध घोषित किए गए। दरअसल 1 अगस्त को वींछिया तहसील पंचायत में सत्तारूढ़ कांग्रेस प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव मंजूर किया गया था। तहसील पंचायत के प्रमुख और उप प्रमुख पद के चुनाव के लिए 17 अगस्त को अधिसूचना जारी की गई थी। आज वींछिया तहसील पंचायत में प्रमुख और उप प्रमुख के चुनाव हुए। जिसमें कांग्रेस से बगावत कर 8 सदस्यों के समर्थन से भाजपा ने वींछिया तहसील पंचायत का प्रमुख और उप प्रमुख पद हासिल कर लिया। वींछिया तहसील पंचायत की अमरापुर सीट से भाजपा सदस्य नीता देवराज गढ़ादरा प्रमुख और भूपत लखमण रोजासरा उप प्रमुख पद के लिए निर्विरोध विजेता घोषित किए गए। कांग्रेस की ओर से गीता घनश्याम डेलीवाळ ने उप प्रमुख पद के लिए नामांकन दाखिल किया था, लेकिन वह अनुपस्थित रहीं। चर्चा है कि जसदण से विधायक और कैबिनेट मंत्री कुंवरजी बावलिया ने राजनीतिक बिसात बिछाकर कांग्रेस के हाथ से वींछिया तहसील पंचायत छीनकर भाजपा का भगवा लहराया है। बता दें कि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 18 में से 14 सीटें जीती थीं। जबकि भाजपा के खाते में केवल 4 सीटें आई थीं। 14 सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस वींछिया तहसील पंचायत में अपनी सत्ता बरकरार रखने में निष्फल रही। नतीजा आज भाजपा ने वींछिया तहसील पंचायत पर कब्जा कर अपने परचम लहरा दिया।

आगरा मंडल के कुबेरपुर स्टेशन पर यार्ड रीमॉड लिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर मध्यरेलवेके आगरा मंडल पर टूंडला-आगरा फोर्ट सेक्शन के कुबेरपुर स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन एवं गूड्स शेड के विस्तार के संबंध में यार्डरीमॉडलिंगकार्यकेचलते अहम दाबाद मंडल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

1. 20 और 27 अगस्त 2024 को साबरमती से चलने वाली ट्रेन संख्या09405साबरमती-पटना स्पेशल अपने निर्धारित मार्ग बांदीकुई-बिचपुरी-आगराफोर्ट-टूंडला के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया बांदीकुई-बिचपुरी-आगरा केंट-उदीमोड-इटावा केरास्तेचलेगी। इस दौरान यह ट्रेन आगरा फोर्ट और टूंडला स्टेशनों पर नहीं जाएगी।

2. 21 और 28 अगस्त 2024 को अहमदाबाद से चलने वाली ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद-पटना स्पेशल अपने निर्धारित मार्ग बयाना-पातली-आगरा फोर्ट-टूंडला के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया बयाना-पातली-आगरा केंट-उदी मोड-इटावा के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन आगरा फोर्ट स्टेशन पर नहीं जाएगी।

3.28 अगस्त 2024 को पटना से चलने वाली ट्रेन संख्या 12948 पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग टूंडला-आगरा फोर्ट-पातली-बयाना के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया इटावा-उदी मोड़-आगरा केंट-पातली के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन टूंडला और आगरा फोर्ट स्टेशन पर नहीं जाएगी।

4. 23अगस्त2024को राज कोटसेचलनेवालीट्रेन संख्या 09569 राजकोट-बरौनी स्पेशल अपने निर्धारित मार्ग बयाना-पातली-आगरा फोर्ट-टूंडला के स्थान पर परिवर्तित मार्ग वाया बयाना-पातली-आगरा केंट-उदीमोड-इटावा के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन टूंडला और आगरा फोर्ट स्टेशन पर नहीं जाएगी।

ट्रेनों के समय,ठहराव, मार्ग और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enq uiry.iåianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्रियों की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्रमांक एस/44/2024 दिनांक 14.08.2024

क्र.सं.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
562	विनाइल कोटेड अपहोल्स्ट्री फैब्रिक (कृत्रिम चमड़ा)	132318 मी.	09-Sep-24
563	मोटर सस्पेंशन यूनिट के लिए मरम्मत किट	90सेट	09-Sep-24
564	रखरखाव किट - 01 अर्थिंग के लिए उपकरण	3144सेट	11-Sep-24
565	कैसनब के लिए सेंटर पिवट टॉप	914 नग	11-Sep-24
566	एलिमेंट इंजन एयर फिल्टर (डिस्पोजेबल बैग	768 नग	11-Sep-24
567	पर्यावरण-अनुकूल डिस्पोजेबल नैपकिन	13266670नग	12-Sep-24
568	पेडस्टल असेंबली के साथ ड्राइवर की सीट	452 नग	12-Sep-24
569	70 वर्ग मिमी × 2 कोर पीवीसी एल्यूमिनियम केबल	26500 मी.	16-Sep-24

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और www.wr.Indianrailways.gov.in पर जाएं। 0461

हमें यहां लाइक करें facebook.com/WesternRly हमें यहां फ़ॉलो करें twitter.com/WesternRly

तलसट में नए परिसर के लिए निविदा

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda

बैंक ऑफ बड़ौदा, बड़ौदा जिला क्षेत्र, तलसट शाखा के स्थानांतरण हेतु तलसट में परिसरों के मालिकों / पावर ऑफ अटॉर्नी धारकों से दो बोली प्रणाली अर्थात **(1) तकनीकी बोली और (2) वित्तीय बोली** में सीलबंद निविदा आमंत्रित करता है। **तलसट शाखा** के लिए उपयुक्त **परिसर 1000 से 1080 वर्ग फुट** के कालीन क्षेत्र के साथ भूतल पर निर्मित (तैयार परिसर या 3 महीने की अवधि के भीतर परिसर के तैयार होने की संभावना) होना चाहिए। परिसर मौजूदा शाखा से 2 किमी के भीतर एवं मुख्य रोड क्षेत्र में स्थित होना चाहिए और इसमें पर्याप्त बिजली सहित सभी सुविधाएं शामिल होनी चाहिए। इच्छुक निवेदक को **‘तकनीकी बोली’ और ‘वित्तीय बोली’** के रूप में चिह्नित दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों के प्रस्ताव को एक बड़े लिफाफे में रखकर एवं उस लिफाफे पर ‘ **तलसट शाखा** के लिए निविदा प्रस्ताव’, आवेदक का नाम, पूरा पता और संपर्क नंबर लिखकर विधिवत सीलबंद किया जाए और यह लिफाफा **क्षेत्रीय प्रबंधक (सहायक महाप्रबंधक), बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा जिला क्षेत्र, 6वीं मंजिल, सूरज प्लाजा III, सयाजीगंज, वडोदरा-390020** को केवल ऑफ़लाइन मोड से **दिनांक 10.09.2024** तक दोपहर तीन बजे या उससे पहले प्रेषित किया जाए।

बैंक बिना कारण बताए किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार रखता है।

तकनीकी बोली और वित्तीय बोली के बैंक प्रारूप हमारे बैंक की वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

www.bankofbaroda.in/tenders.asp

क्र .सं.	केंद्र/ स्थान	जिला	कालीन क्षेत्र	क्षेत्र
1	तलसट	वडोदरा	1000 से 1080 वर्ग फुट	ग्रामीण

दिनांक : 21.08.2024
स्थान : वडोदरा

क्षेत्रीय प्रबंधक (सहायक महाप्रबंधक)
बड़ौदा जिला क्षेत्र

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96